डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

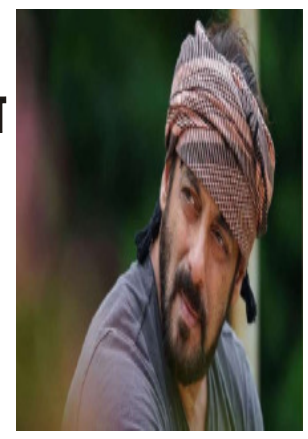

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -07 अंक -334 | प्रयागराज, मंगलवार 08 फरवरी , 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

PG,5

PG,8

सिनेमाः अगले साल इस खास दिन पर रिलीज होगी सलमान .

पीएम मोदी का करारा पलटवार, कहा- कांग्रेस की नीति 'फूट डालो राज करो', आज बन गई है टुकड़े-टुकड़े गैंग की लीडर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई बहस का जवाब दिया। पीएम मोदी ने सबसे पहले अपने संबोधन में स्वर कोकिला लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- देश ने आदरणीय लता दीदी को खो दिया है। इतने लंबे काल तक जिनकी आवाज ने देश को मोहित किया, देश को प्रेरित भी किया, देश को भावनाओं से भर दिया। मैं आज आदरणीय लता जी को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि देता हूं। राहुल के बयान पर पलटवार करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज राष्ट्र पूरी एकजुटता और ताकत के साथ खड़ा है। जब हमारे सीडीएस जनरल बिपिन रावत का हेलिकाप्टर हादसे में अकस्मात निधन हुआ और जब उनका पार्थिव शरीर तमिलनाडु में हवाई अड्डे पर ले जाने के लिए रास्ते से गुजर रहा था तो मेरे तमिल भाई और बहनें लाखों की संख्या में घंटो तक कतार में सड़क पर खड़े थे। इसलिए आई क्योंकि आपने मान लिया था कि नारे देकर गरीबों को अपने चंगुल में फंसाएं रखोगे लेकिन गरीब जाग गया, वो आपको पहचान गया। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने 'गरीबी हटाओ' नारे के कारण कई चुनाव जीते लेकिन ऐसा करने में असफल रहे। फिर देश के गरीबों ने उनको वोट दिया। महंगाई पर देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने लाल किले से कहा था- 'कभी-कभी कोरिया में लड़ाई भी हमें प्रभावित कर देती है। यही नहीं अमेरिका में भी किसी तरह की अशांति की वजह से महंगाई भी होती है। पीएम मोदी ने पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि पी चिदंबरम इन दिनों अखबारों में अर्थव्यवस्था पर लेख लिख रहे हैं। सन 2012 में उन्होंने कहा था। जनता परेशान नहीं है जब उन्हें पानी की बोतल पर 15 व आइसक्रीम पर 20 रुपए खर्च करने पड़ते हैं लेकिन जब गेहूं और चावल की कीमत में एक रुपए की बढ़ोतरी

हुई तो जनता बर्दाश्त नहीं कर सकती है। 2011 में तत्कालीन वित्तमंत्री जी ने लोगों से बेशर्मी के साथ कह दिया था कि महंगाई कम करने के लिए किसी अलादीन के जादू की उम्मीद न करें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा- मैं जानता हूं कि रक्षा सौदों में कितनी बड़ी ताकतें अच्छे-अच्छों को खरीद लेती थीं। आज उन्हीं ताकतों को मोदी ने चुनौती दी है इसलिए मोदी पर उनका गुस्सा होना भी स्वाभाविक है। यह गुस्सा समय समय पर प्रकट भी होता रहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- इस बजट में भी हमने प्रावधान किया है कि ज्यादा से ज्यादा रक्षा उपकरण हम भारत में ही बनाएंगे। रक्षा उपकरण भारतीय कंपनियों से ही खरीदेंगे। रक्षा उपकरणों को बाहर से लाने के रास्ते बंद करने की दिशा में हम कदम बढ़ाएंगे। आज हम हमारी सेनाओं की जरूरतों को पूरी करने के अलावा हम एक बड़ा डिफेंस एक्सपोर्टर बनने का सपना लेकर चल रहे हैं। मुझे विश्वास है कि ये संकल्प भी पूरा होगा प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहले रक्षा उपकरणों को खरीदने के लिए वर्षों तक प्रक्रिया चलती थी। जब फाइनल निर्णय होता था, तब तक वो चीज पुरानी हो जाती थी, हम पैसे देते थे। हमनें इन सारी प्रक्रियाओं को आसान बनाया। दूसरों पर निर्भर होकर इस देश की सुरक्षा निश्चित नहीं कर सकते। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना राष्ट्रसेवा का बहुत बड़ा काम है। मैं देश के नौजवानों से भी आह्वान करता हूं कि आप अपने करियर में इस क्षेत्र को चुनिये, हम ताकत के साथ खड़े होंगे। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा- जिन्होंने 50 वर्षों तक देश की सरकारें चलाई, मेक इन इंडिया को लेकर उनका क्या रवैया था। इसके लिए सिर्फ डिफेंस सेक्टर को हम देखें तो सारी बातें समझ आती हैं कि वो क्या करते थे, कैसे करते थे, क्यों करते थे और किसके लिए करते थे। पीएम मोदी ने कहा- कुछ लोगों को देश के नौजवानों को, देश के उद्योगपतियों को, देश के वेल्थ क्रिएटर्स को डराने और भयभीत करने में आनंद आता है लेकिन देश का नौजवान उनकी बातें सुन नहीं रहा है इसीलिए देश आगे बढ़ रहा है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ लोगों को 'मेक इन इंडिया' से दिक्कत है क्योंकि उनके लिए इसका मतलब है कि भ्रष्टाचार नहीं होगा। वे पैसा नहीं जुटा पाएंगे। हमनें रक्षा के विभाग से जुड़े सभी लंबित मुद्दों को हल करने का प्रयास किया है। कुछ लोग मानते हैं कि केवल सरकारें ही सभी समस्याओं का समाधान नहीं कर सकती हैं। साल 2014 से पहले हमारे देश में सिर्फ 500 स्टार्ट-अप थे लेकिन पिछले सात वर्षों में देश में 60 हजार से अधिक स्टार्ट-अप काम कर रहे हैं। यह हमारे युवाओं की ताकत को दर्शाता हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सैकड़ों वर्षों का गुलामी कालखंड, उसकी जो मानसिकता है, वो आजादी के 75 साल के बाद भी कुछ लोग बदल नहीं पाए हैं। यह गुलामी की मानसिकता किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए बहुत बड़ा संकट होती है। हमनें गरीब श्रमिकों के लिए दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए हैं। आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना के तहत हजारों लाभार्थियों के खातों में हमने सीधे पैसे ट्रांसफर किए। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इतने वर्षों तक देश पर राज करने वाले और महल जैसे घरों में रहने के आदी लोग, छोटे किसान के कल्याण की बात करना भूल गए हैं। भारत की प्रगति के लिए छोटे किसान को सशक्त बनाना जरूरी है। छोटा किसान ही भारत की तरक्की को मजबूत करेगा। अगर गरीबी से मुक्ति चाहिए तो हमें छोटे किसानों को मजबूत बनाना होगा। छोटा किसान मजबूत होगा तो छोटी जमीन को भी आधुनिक करने की कोशिश करेगा पीएम मोदी ने कहा- भारत सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि महामारी के बीच 80 करोड़ से अधिक भारतीयों को मुफ्त राशन मिले। हमारी प्रतिबद्धता है कि कोई भी भारतीय भूखा न रहे। जिस रास्ते पर हम चले आज विश्व के अर्थजगत के सभी ज्ञाता इस बात को मानते हैं कि भारत ने जिस आर्थिक नीतियों को लेकर इस कोरोना काल में अपने आप को आगे बढ़ाया है, वो अपने आप में दुनिया के लिए एक उदाहरण है लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि इतने चुनाव हारने के बाद आपके (कांग्रेस) 'अहंकार' में कोई बदलाव नहीं आया है। कोरोना के संकट काल में कांग्रेस पार्टी ने सारी हदें पार कर दी। पहली लहर के दौरान, जब लोग लॉकडाउन का पालन कर रहे थे, दिशानिर्देश सुझाव दे रहे थे कि लोग जहां हैं वहीं रहें, तब कांग्रेस मुंबई स्टेशन पर खड़ी थी और निर्दोष लोगों को डरा रही थी। प्रधानमंत्री ने कहा- सदन बात का साक्षी है कि कोरोना से जो स्थितियां उत्पन्न हुई, उससे निपटने के लिए भारत ने जो भी रणनीति बनाई उसको लेकर पहले दिन से क्या-क्या नहीं कहा गया है।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, दो हफ्तों में सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट के दोनों टावरों को गिराने का दिया आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा में सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट के दो 40 मंजिला टावरों को दो सप्ताह के भीतर ध्वस्त करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा के सीईओ को 72 घंटे के भीतर सभी संबंधित एजेंसियों की बैठक बुलाने का निर्देश दिया है, ताकि दोनों टावरों को गिराने के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा सके। दरअसल, न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने नोएडा के सीईओ को 72 घंटे के भीतर एक बैठक बुलाने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि, इस बैठक में सभी संबंधित एजेंसियां मौजूद रहें, ताकि जल्द से जल्द नोएडा में सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट के दो 40 मंजिला टावरों को दो सप्ताह के भीतर ध्वस्त किया जा सके। कोर्ट ने कहा, नोएडा के सीईओ अदालत के निर्देशों का पालन करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। बता दें किं, 12 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा के सेक्टर-93 स्थित सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट के दोनों 40 मंजिला टावरों को ध्वस्त करने के अपने आदेशों का पालन नहीं करने के लिए सुपरटेक को फटकार लगाई थी। एण् ने सुपरटेक को चेतावनी दी थी कि अगर रुपये नहीं लौटाए तो जेल भेज देंगे। गौरतलब है कि, पिछले साल 31 अगस्त 2021 को सुपरटेक एमेराल्ड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया था। कोर्ट ने नोएडा स्थित सुपरटेक एमेराल्ड के 40 मंजिला ट्विन टावर को तीन महीने में गिराने के आदेश दिए थे।

अरुणाचल प्रदेश के कामेंग सेक्टर में हिमस्खलन, चपेट में आए सेना के सात जवान, खोजबीन में लगाई गई विशेष टीमें

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के कामेंग सेक्टर के ऊंचाई वाले इलाके में हुए एक हिमस्खलन की चपेट में आ गए हैं। सभी सात जवान एक गश्ती दल का हिस्सा थे। भारतीय सेना ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि इन जवानों की खोजबीन और बचाव का काम जारी है। बचाव अभियान में विशेष टीमों (एजर्मेर्त्ेंी्रेि्दिँस्ब) को एयरलिफ्ट किया गया है। इलाके में पिछले कुछ दिनों से भारी बर्फबारी देखी जा रही हैं। भारतीय सेना ने कहा कि सभी जवान छह फरवरी से वहां फंसे हुए हैं। अरुणाचल पश्चिम में कामेंग क्षेत्र और बाकी हिस्सों में विभाजित है। मालूम हो कि भारतीय सेना की पूर्वी कमान के पास सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश समेत 1,346 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सुरक्षा की जिम्मेदारी है।

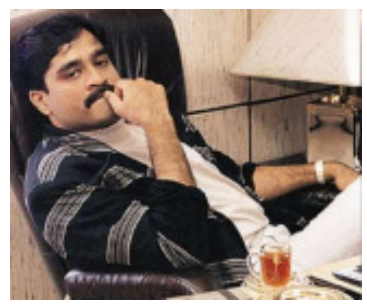

गृह मंत्रालय के आदेश पर एनआईए ने अंडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम और डी-कंपनी के खिलाफ दर्ज किया केस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सोमवार को अंडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम एवं अन्य के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया। समाचार एजेंसी आइएएनएस ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों को दाऊद इब्राहिम के खिलाफ गहन छानबीन शुरू करने को मंजूरी दी है। एनआईए के एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी आइएएनएस को बताया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी में दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों के नामों का उल्लेख है। रिपोर्ट के मुताबिक दाऊद इब्राहिम काफी समय से देश में आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने का काम कर रहा था। जांच एजेंसी के मुताबिक आरोपियों ने हवाला चैनलों के जरिए उन तत्वों को आर्थिक मदद पहुंचाई जो देश में अशांति फैलाने के लिए काम कर रहे हैं। केंद्रीय एजेंसियां दाऊद इब्राहिम और उसकी डी-कंपनी की गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रही हैं। एजेंसिंयों ने अपनी छानबीन में पाया गया है कि हाल के दिनों में दाऊद के गुर्गो ने देशभर में दंगों जैसी स्थितियां पैदा करने के लिए लोगों को अपनी गैंग में शामिल किया है। दाऊद इब्राहिम के गुर्गे और उनकी पूरी टीम लगातार देश विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही विभिन्न धार्मिक समूहों के बीच तनाव और दरार पैदा करने की कोशिशें कर रहे हैं। एनआईए के अधिकारिक सूत्र ने नाम नहीं छापने की शर्त पर समाचार एजेंसी आइएएनएस को बताया कि पहले भी देशभर में कई राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में अंडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम का हाथ होने के बारे में हमारे अधिकारियों से जानकारियां साझा की गई थीं। इनमें बताया गया था कि अंडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम देश में अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने के लिए लोगों की भर्तियां कर रहा है। साथ ही देश में दंगा जैसी स्थितियां पैदा करने में राष्ट्रविरोधी तत्वों की मदद कर रहा हैर ҧ अंडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम और उसके गुर्गे बातचीत और संपर्क करने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का इतेमाल करते हैं। केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने इन संवादों में से कुछ को इंटरसेप्ट किया। अधिकारियों ने अपनी छानबीन में पाया कि देश के खिलाफ एक गहरी साजिश रची जा रही थी। समाचार एजेंसी आइएएनएस की रिपोर्ट में कहा गया है कि अब उपलब्ध सामग्री के आधार पर एजेंसी ने दाऊद इब्राहिम और उसकी डी-कंपनी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

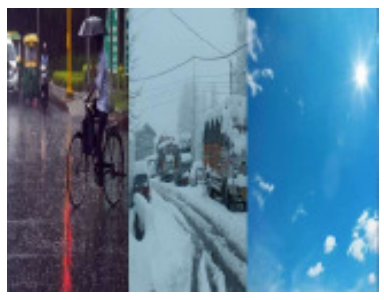

एक-दो दिन में फिर बिगड़ने वाला है मौसम, दिल्ली समेत कई राज्यों में होगी बारिश, पहाड़ों में बर्फबारी का अलर्ट

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में इनदिनों मौसम साफ है। पिछले दिनों की तुलना में तापमान में भी बढोत्तरी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में एक बार फिर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा समेत कई राज्यों में तापमान में गिरावट के साथ ही कड़ाके की ठंड पड़ने के आसार हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार से एक बार फिर मौसम बिगड़ सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार और अगले दो से तीन दिन मौसम बिगड़ा रहेगा। इस बीच, पश्चिमी विक्षोभ के कारण पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी जारी रहेगी। उत्तराखंड में कल यानी मंगलवार से हल्की बारिश और बर्फबारी का अनुमान जताया गया है वहीं, राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज करने के साथ दिल्लीवासियों की सोमवार की सुबह सुखद रही। मौसम विभाग ने दिन के लिए मुख्य रूप से आसमान साफ रहने की भविष्यवाणी की है और अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना जताई है। साथ ही बुधवार को हल्की बारिश के साथ आसमान में सामान्य रूप से बादल छाए रहने की भी भविष्यवाणी की है। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 24.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 262 दर्ज की गई। फरीदाबाद में एक्यूआइ (289), गाजियाबाद (316), ग्रेटर नोएडा (217), गुड़गांव (244) और नोएडा (219) पर एक्यूआइ दर्ज किया गया। बता दें कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआइ अच्छा माना जाता है। 51 और 100 संतोषजनक, 101 और 200 मध्यम, 201 और 300 खराब, 301 और 400 बहुत खराब, और 401 से 500 के बीच बेहद गंभीर माना जाता है। गुरुवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान आठ डिग्री गिरकर 14.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 19 साल में फरवरी का सबसे ठंडा महीना रहा है।

न्यूनतम कार्यकाल पूरा कर चुके विजिलेंस अफसरों का किया जाए ट्रांसफर : सीवीसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने केंद्र सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से इस साल जून तक उन अधिकारियों का ट्रांसफर करने के लिए कहा है जिन्होंने उनके सतर्कता विभागों में न्यूनतम कार्यकाल पूरा कर लिया है। सीवीसी ने अपने आदेश में कहा है कि किसी संगठन की सतर्कता इकाई में एक अधिकारी की शुरुआती तैनाती सिर्फ तीन साल की होनी चाहिए। अगर जरूरी हो तो सतर्कता अधिकारी का कार्यकाल समीक्षा के बाद न्यूनतम तीन महीने और अधिकतम दो साल तक बढ़ाया जा सकता है। यह सेवा विस्तार अधिकारी की कुशलता, ईमानदारी और उसके पास जिम्मेदारी को पूरा करने की जरूरत इत्यादि पर आधारित होनी चाहिए। आयोग ने निर्देश दिया कि अगर किसी अधिकारी की तीन साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद भी जरूरत है तो उसकी पहचान करके उसे सतर्कता इकाई में बरकरार रखने की प्रक्रिया 31 मार्च, 2022 तक पूरी कर ली जानी चाहिए। लेकिन 31 मार्च, 2022 को अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा करने वाले जिन अधिकारियों के नामों पर सेवा विस्तार के लिए विचार नहीं किया जा रहा है उनका 30 जून, 2022 तक ट्रांसफर कर दिया जाना चाहिए।

कर्नाटक हिजाब विवादः उडुपी कालेज में हिजाब पहनकर पहुंची छात्राओं को मिली एंट्री, लेकिन अलग क्लास में बैठेंगी

उडुपी ।कर्नाटक के उडुपी में छात्राओं के हिजाब पहनने को लेकर चल रहा विवाद अब थम गया है। कई दिनों के विरोध के बाद अब हिजाब पहनकर कालेज आने वाली छात्राओं को क्लास में एंट्री दे दी गई है। हालांकि, इन छात्राओं को अलग क्लास में बैठा जाएगा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसटी सिद्दलिंगप्पा ने कहा, कुंडापुरा में स्थिति नियंत्रण में है, और छात्रों को हिजाब पहने हुए भी कालेज परिसर में आने की अनुमति दी जा रही है। कुंडापुर में कानून-व्यवस्था की कोई स्थिति नहीं है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मंडाविया बोले, भारत विश्व स्तर पर सबसे बड़ा टीकाकरण कार्यक्रम कर रहा है लागू

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने सोमवार को कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को लागू कर रहा है। जहां सालाना 3 करोड़ से अधिक गर्भवती महिलाओं और 2.6 करोड़ बच्चों को सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत कवर किया जाता है मंत्री ने विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में गहन मिशन इंद्रधनुष (आइएमआइ) 4.0 का शुभारंभ किया। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि आइएमआइ 4.0 के तीन दौर होंगे और 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 416 जिलों (आजादी का अमृत महोत्सव के लिए पहचाने गए 75 जिलों सहित) में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'भारत विश्व स्तर पर सबसे बड़ा टीकाकरण कार्यक्रम लागू कर रहा है जहां हम सालाना 3 करोड़ से अधिक गर्भवती महिलाओं और 2.6 करोड़ बच्चों को सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) के माध्यम से कवर करते हैं।' मंडाविया ने कहा कि जहां कोविड के कारण नियमित टीकाकरण की गति धीमी हो गई है। वहीं, आइएमआइ 4.0 अंतराल को भरने और सार्वभौमिक टीकाकरण की दिशा में स्थायी लाभ अर्जित करने में अत्यधिक योगदान देगा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करेगा कि नियमित टीकाकरण (आरआइ) सेवाएं बिना टीकाकरण वाले और आंशिक रूप से टीकाकरण वाले बच्चों और गर्भवती महिलाओं तक पहुंचे। पहले दौर (फरवरी-अप्रैल 2022) में 11 राज्य 4.0 का संचालन करेंगे। है कि ये असम, उत्तराखंड, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा और छत्तीसगढ़ हैं। अन्य (22 राज्य) अप्रैल से मई तक राउंड आयोजित करेंगे। इन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, बिहार, पुडुचेरी, दिल्ली, पंजाब, गोवा, तमिलनाडु, हरियाणा, तेलंगाना, झारखंड, उत्तर प्रदेश, केरल, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश शामिल हैं।

राजा भैया सहित विधानसभा के 12 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 हेतु नामांकन स्थल क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी में विधानसभा क्षेत्र कुण्डा से जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रत्याशी रघुराज प्रताप सिंह उपाख्य राजा भइया बहुजन ने नामांकन दाखिल किया। समाज पार्टी से मो0 फहीम, समाजवादी पार्टी से गुलशन यादव ने, विधानसभा बाबागंज से जनसत्ता दल के प्रत्याशी विनोद सरोज, बहुजन समाज पार्टी से सुशील कुमार, विधानसभा विश्वनाथगंज से बहुजन समाज पार्टी से संजय तिवारी, विधानसभा रामपुरखास से बसपा के बांके लाल पटेल, विधानसभा पट्टी से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी राम सिंह, बसपा से फूलचन्द्र मिश्र, विधानसभा प्रतापगढ़ से निर्दलीय प्रत्याशी माजिदा, पारितोष कुमार व रामजी ने नामांकन किया।

विधानसभा रानीगंज से आज किसी भी प्रत्याशी द्वारा नामांकन नही किया गया। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी रोहित मिश्रा एवं अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी सुरेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी इन्द्र भूषण वर्मा, सीओ सिटी अभय कुमार पाण्डेय, सीओ रानीगंज डॉ0 अतुल अंजान त्रिपाठी सहित अन्य मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारी नामांकन स्थलों पर शांति व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से निरन्तर भ्रमणशील रहकर सतत् निगरानी करते रहे।

फूलपुर से मुजतबा तथा प्रतापपुर से मंजू मौर्या ने किया नामांकन

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। आगामी विधानसभा की चुनावी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। शनिवार को सपा के अधिकृत प्रत्याशी हाजी मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी ने 257 फूलपुर विधानसभा से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उक्त अवसर पर समर्थकों से घिरे मुजतबा सिद्दीकी ने कहा कि फूलपुर मेरा घर है। परंतु तीन चुनाव मै प्रतापपुर एवं सोरांव से लड़ा। इस बार फूलपुर की अवाम का सेवा करना मेरे भाग्य में था। जो सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुझे यह सीट सौंपी। मौके पर शहजादे प्रधान, परवेज भाई, संजय गौतम, जियाउद्दीन अहमद, पवन द्विवेदी, अमर बहादुर यादव, पूरन पासी, अब्दुल्लाह, असद उल्लाह आदि लोग मौजूद रहे। इसी प्रकार जन अधिकार पार्टी की मंजू मौर्या ने 256 प्रतापपुर सीट से अपना नामांकन किया। बता दें कि अभी तक मंजू मौर्या भागीदारी परिवर्तन मोर्चा, ए आई एम आई एम तथा जन अधिकार पार्टी की गठबंधन प्रत्याशी के रूप में प्रतापपुर में आई थी। परंतु 2 दिन पूर्व एआईएमआईएम ने इसी सीट हेतु अपना प्रत्याशी सै0 मोहम्मद मुंतजर को उतार दिया। नामांकन में मंजू मौर्या के साथ आशीष कुमार, सुजीत कुमार मौर्या, शैलेंद्र मौर्य, धनराज सिंह कुशवाहा, परवेज अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों का 07 फरवरी को

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी कार्मिक ईशा प्रिया ने बताया कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 में नियुक्त किये गये समस्त जोनल,सेक्टर एवं रिजर्व जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट का द्वितीय प्रशिक्षण दिनांक 07 फरवरी को संत एन्थोनी इण्टर कालेज प्रतापगढ़ में होगा। उन्होंने बताया कि पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न1 बजे तक विधानसभा क्षेत्र रामपुरखास, बाबागंज, कुण्डा व विश्वनाथगंज के जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा अपराह्न 2 बजे से अपराह्न4 बजे तक विधानसभा प्रतापगढ़,पट्टी, रानीगंज के जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट सहित समस्त रिजर्व जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट का प्रशिक्षण आयोजित होगा।उन्होंने जनपद के समस्त विधानसभा में नियुक्त एवं आरक्षित समस्त जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया है कि प्रशिक्षण में समय से उपस्थित हों अन्यथा निर्वाचन सम्बन्धी कार्य में किसी प्रकार की अनुपस्थिति पर सम्बन्धित का दायित्व निर्धारित करते हुये विभागीय कार्यवाही की जायेगी।

व्यवसायी एवं एजेन्सियाँ रखें नकद धनराशि के परिचालन का हिसाब-किताब

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। वरिष्ठ कोषाधिकारी/जिला नोडल अधिकारी निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण प्रकोष्ठ दीपक बाबू ने बताया है कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के दृष्टिगत शराब व्यवसायियों, पेट्रोल पम्प, गैस एजेन्सी द्वारा नकद धनराशि के परिचालन का प्रतिदिन का हिसाब-किताब रखना जरूरी है वे नकद रूपये लाने एवं ले जाने हेतु समस्त सम्बन्धित प्रतिष्ठान/फर्म निर्धारित प्रारूप/प्रपत्र पर सूचना साथ रखें ताकि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान उनके द्वारा नकद धनराशि को बैंक आदि में जमा कराने के समय किसी असुविधा का सामना न करना पड़े व उड़नदस्ता टीम एवं स्थैतिक निगरानी टीम के द्वारा की जाने वाली जाँच के दौरान उनके द्वारा नकद धनराशि के परिचालन से सम्बन्धित प्रपत्र दिखाया जा सके। निर्धारित प्रारूप कोषागार कार्यालय, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय व जिला सूचना कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

शहर पश्चिमी प्रत्याशी अमरनाथ मौर्या के समक्ष दो दर्जन भाजपा व बसपा नेताओं ने थामा सपा का दामन

प्रयागराज । समाजवादी पार्टी के शहर पश्चिमी विधान सभा से प्रत्याशी अमरनाथ मौर्या के ट्रांसपोर्ट नगर के केन्द्रिय कार्यालय के उद्धघाटन और कार्यकर्ता बैठक मे दो दर्जन से अधिक भाजपा व बसपा के पदाधिकारीयों ने अपनी पार्टी मे उपेक्षा का आरोप लगाते हुए ज़िलाध्यक्ष योगेश चन्द्र यादव व शहर पश्चिमी के प्रत्याशी अमरनाथ मौर्या के समक्ष समाजवादी पार्टी की नीतियों व अखिलेश यादव मे आस्था व्यक्त करते हुए समाजवादी पार्टी मे शामिल हुए।विधान सभा अध्यक्ष अभिमन्यु पटेल की अध्यक्षता व नगर महासचिव के संचालन मे महानगर कमेटी ,सेक्टर बूथ व समस्त फ्रन्टल संगठनो के साथ सहयोगी दलो के पदाधिकारीयों की उपस्थिति मे वक्ताओं ने मोदी योगी सहित भाजपा के मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह पर जमकर हमला बोला।योगेश यादव ने अमरनाथ मौर्या को भारी बहुमत से जिताने को हर एक कार्यकर्ता को अखिलेश यादव बन कर मज़बूती से डटने की अपील की।शहर पश्चिमी से सपा प्रत्याशी अमरनाथ मौर्या ने गाँधी अम्बेडकर लोहिया और मुलायम सिंह को अपना आदर्श बताया। बाबा साहब अम्बेडकर के संविधान का हवाला देते हुए कहा की हम लोग संविधान को मानने वाले लोग हैं हम जनता के आर्शिवाद से जीतने के बाद सच्चे मन से क्षेत्र के विकास को गति देने का काम करेंगे।अखिलेश यादव के प्रति आभार जताते हुए कहा जैसे अखिलेश यादव की कथनी और करनी मे कोई फर्क नहीं है वैसे ही मैं भी शहर पश्चिमी की जनता को भरोसा दिलाता हूँ की हम शहर पश्चिमी के लिए एक कार्यकर्ता की भूमिका मे रहकर ही कार्य करेंगे और ठोको नीति और बुलडोज़र वाली सरकार के सपने को चकनाचूर करेंगे।कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा की कार्यकर्ता ही असल मे हमारी रीढ़ हैं।उनके बिना चला जा सकता।भाजपा व बसपा छोड़ कर सपा का दामन थामने वाले नेताओं का फूल माला पहना कर स्वागत भी किया गया।भाजपा पिछड़ा प्रकोष्ठ के महामंत्री अनिल प्रजापति ,सुधीर सिंह मौर्य महानगर उपाध्य भाजपा ,शिवम कुशवाहा मण्डल मंत्री भाजपा ,संतोष बैरागी ग्राम टिकरी संयोजक बसपा वालियंट्री फोरम ,दीपक कुशवाहा सुलेम सराँय भाजपा ,भोला पासी ,श्याम लाल कुशवाहा व मनोज यादव भाजपा सेक्टर प्रभारी ,अनिल मौर्य मण्डल अध्यक्ष गंगा पट्टी भाजपा के साथ अन्य लोगों ने समाजवादी पार्टी मे आस्था रखते हुए समाजवादी पार्टी मे शामिल हुए।वरिष्ठ सपा नेता विनोद चन्द्र दूबे ,रवीन्द्र यादव ,मंजू पाठक ,इसरार अन्जुम मोइन हबीबी ,मयंक यादव जॉन्टी , अभिमन्यु पटेल ,विक्रम पटेल ,सुशील कुशवाहा ,वज़ीर खाँ ,पियूश पटेल ,यथांश केसरवानी आदि नेताओं ने बैठक मे अमरनाथ मौर्या के लिए कार्यकर्ताओं से कम समय का हवाला देते हुए घर घर दस्तक देकर ठोको नीति और बुलडोज़र वाली सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया।बैठक में नन्द कुमार कुशवाहा ,अशोक मौर्या ,ननकऊ यादव ,वक़ार अहमद ,पंकज साहु ,शकील अहमद ,अब्दुल समद ,तारिक नेहाल ,अवकाश कुशवाहा ,डी के यादव ,द्वारिका कुशवाहा ,विक्रम प्रधान ,इन्दू यादव ,निर्मला यादव ,रीता मौर्या ,मीनू खत्री ,सावित्री सिंह ,मालती यादव ,गुड्डी यादव ,कमलेश केसरवानी ,सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव ,नेपाल सिंह पटेल ,सै0आसिफ हुसैन ,मक़सूद अहमद ,फैज़ी इशरत ,सै0मो0अस्करी ,ज़ामिन हसन ,सौरभ यादव रामा ,जयभारत यादव ,राजेश शर्मा ,रोहित यादव आदि नेतागण उपस्थित रहे।

चौरी-चौरा महोत्सव समारोह सम्पन्न याद किये गये सेनानी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डॉ0 नितिन बंसल के निर्देशन में जनपद में चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव समारोह के आयोजन किया गये समारोहों में ग्रामों, स्वतंत्रता संग्राम से सम्बन्धित स्थलों/स्मारकों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा शहीद स्मारक स्थलों पर वन्दे मातरम् का गायन एवं पुलिस बैण्ड के माध्यम से राष्ट्रधुन का वादन एवं दीपांजलि आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय परिसर स्थित शहीद स्तम्भ पर मुख्य राजस्व अधिकारी इन्द्र भूषण वर्मा, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल आर0के0 सिंह द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गयी तथा बैण्ड द्वारा राष्ट्रधुन बजायी गयी। इस अवसर पर द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुये स्व0राजबली पाण्डेय ग्राम सराय गनई, रानीगंज की पत्नी कलावती को अंगवस्त्रम् देकर सम्मानित किया गया। इसी तरह जनपद के अन्य शहीद स्मारक स्थलों कहला,रूरे,नमकशायर में दीप प्रज्ज्वलन कर पुष्पांजलि अर्पित की गयी तथा अमर शहीदों को याद किया गया। इसी तरह शिक्षण संस्थानों में शहीदों से जुड़ी घटनाओं से सम्बन्धित निबन्ध लेखन, भाषण प्रतियोगिता, वन्दे मातरम् गायन व अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गये। जनपद के सभी नगर पंचायतों एवं नगर पालिका परिषद बेल्हा में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजत किये गये। जनपद में चौरी-चौरा महोत्सव का शुभारम्भ 04 फरवरी 2021 को किया गया था। तब से अनवरत पूरे वर्ष शहीद स्थलों पर स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़े स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने के साथ ही भिन्न भिन्न तरह के जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस वर्ष भी चौरी-चौरा महोत्सव का भव्य आयोजन कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद किया गया।

लापरवाही: पिस्टल में मैगज़ीन लोड करने के दौरान दरोगा से चली गोली, सिपाही घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। कोतवाली थाना क्षेत्र के साउथ मलाका चौकी में पिस्टल में मैगज़ीन लोड करते समय दरोगा से चली गोली सिपाही के घुटने में लगी। घायल सिपाही को तुरंत एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी पर एसपी सिटी दिनेश कुमार सिंह, सीओ समेत थाने की फोर्स अस्पताल पहुंची। जानकारी के अनुसार साउथ मलाका चौकी इंचार्ज दिनेश यादव पिस्टल में मैगजीन लोड कर रहा था जब उससे फायर हो गई। जिसके बाद गोली पास खड़े सिपाही दिनेश यादव के पैर में लग गई । जिसके बाद सिपाही को तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

खेल से साररिक मानसिक विकास होता है नसीरुद्दीन राईन

प्रयागराज । प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सभा सरजू पट्टी में के जी एन क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व श्रीमती विजमा यादव व विशिष्ट अतिथि जिला उपाध्यक्ष नसीर उद्दीन राईन रहें कार्यक्रम

की शुरुआत में विजमा यादव ने मैच को फीता काट कर उद्घाटन किया वहीं नसीर उद्दीन राईन ने टास कराकर मैच सुरू कराया इस बीच मैच दिल चश्ब मुकाबला दुर्गा गंज व सरजू पट्टी के बीच हुई दुर्गा गंज ने टास जीतकर आठ वर में पंचानवे रन बनाकर भारी चुनौती दी सरजू पट्टी ने लक्ष्य पुरा ना करते हुऐ पैंसठ रन बनाकर पराजय की सामना करना पड़ा इस दौरान विजमा यादव ने कहा कि इस तरह की आयोजनों से आपसी भाई चारा व सद्भावना बढ़ता है समय समय पर ऐसे आयोजन होना जरूरी है विशिष्ट अतिथि नसीर उद्दीन राईन ने कहा की खेल से जहां साररिक मानसिक विकास होता है वहीं आपसी सद्भावना बढ़ता है गांव की छुपी प्रतिभा को भी निखारने का मौका मिलता हैं इसी तरह छोटे छोटे पिचों से खेलकर इलाहाबाद से दो खिलाड़ी मोहम्मद कैफ,व ज्योति यादव ने इन्टरनेशनल खिलाड़ी बनकर जनपद सहित देश का नाम रोशन किया।अंत में मैच आयोजक पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी मो हासिम प्रधान ने खेलाडियो वह दर्शकों को आभार व्यक्त किया इस दौरान बेला यादव,भोला यादव, मुराद मंसूरी, बृजेन्द्र यादव, सुहेल सिद्दीकी, परवेज आलम,सुरेश नेता,मो मसूद शारूख,गुलाब यादव,मो इरफान,हैदर,अनीस अली, वाजिद अली,आकाश तिवारी, मुनन यादव,अफसर, मुस्तकीम,ग्यास उद्दीन,अनावर,मेराज, अलाउद्दीन,अफ़ज़ल, आदि लोग मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि करके मनाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। भरद्वाज गुरुकुलम संस्थान रुद्रपुर में विद्यालय के प्रबंधक विनय उपाध्याय के नेतृत्व में ज्ञान की

देवी मां सरस्वती के पूजा पर्व पर विद्यालय परिवार और छात्र छात्राओं को मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि करके मनाया। प्रारंभ में विद्यालय के छात्र छात्राओं ने मां सरस्वती की वंदना किया तत्पश्चात विद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक विपुल शुक्ला ने मां सरस्वती के पूजा के बाद कैसे ज्ञान को अर्जित किया जाए इस बात पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि बुद्धिमत्ता पूर्वक ऐश्वर्य प्रदान करने वाली मां देवी सरस्वती ज्ञान और कर्म से हमारे यज्ञ को सफल बनाएं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से छात्र-छात्राएं एवं प्राध्यापक उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में मारपीट चार गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। कोतवाली अंतर्गत अतरसुइया गांव निवासी मोहम्मद इस्लाम पुत्र अ0 शकूर उम्र 59 वर्ष, रजा खान पुत्र मोहम्मद इस्लाम उम्र 30 वर्ष, बब्बू पुत्र जुम्मन उम्र 50 वर्ष, मोहम्मद रिजवान पुत्र बब्बू उम्र 21 वर्ष को जमीनी विवाद में थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय के नेतृत्व में उप निरीक्षक जय सिंह नारायण यादव मय हमराह कांस्टेबल दिलीप यादव की टीम द्वारा हिरासत में लेकर शांति भंग के तहत विधिक कार्यवाही की गई।

इलाहाबाद हाईकोर्ट खुला, जिनका मुकदमा है वही करेंगे प्रवेश

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय सोमवार को कोविड़ प्रोटोकाल और दिए गए दिशा निर्देशों के साथ खुला। जिन अधिवक्ताओं का मुकदमा कोर्ट में लगा हुआ है मात्र उन्हीं को जांच कर अंदर जाने दिया जा रहा है। जूनियर वकील और मुंशी का कोर्ट परिसर के अंदर जाना मना है कुछ अधिवक्ताओं ने बताया कि न्यायालय की तरफ़ से उनके मुकदमे से संबंधित मैसेज प्राप्त ना होने की वजह से उन्हें न्यायालय परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस दिक़्क़त को जल्द दूर करने की आवश्यकता है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.**प्रमाण पत्रः**- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंद्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। 2.**चयन की प्रक्रिया**:- इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। 3.**आयु सीमाः**- उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। 4.**आवेदन कैसे करे**:- आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। 5.आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। 6.**कक्षायें/उपस्थितिः**- छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनुमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। 7.**छात्रवृत्तिः**- दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। 8. अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। 9.**दाखिले की अंतिम तिथिः**- 15 फरवरी 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

बलिया मे अभिभावकों के घर-घर जा अति गरीब बच्चो को शिक्षा दे रही है शिक्षिका अंजली तोमर

प्राथमिक विद्यालय के शिक्षा को हाईटेक करने का प्रयास

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। जिले मे एक प्राथमिक विद्यालय ऐसा भी है जहां शिक्षिका कुमारी अंजली तोमर के कड़ी मेहनत,छात्रो को पढ़ाने की ललक और शिक्षा के नये आयाम से बच्चो को शिक्षित कर शिक्षिका विद्यालय की व्यवस्था को हाईटेक करने को आतुर है। जिसे जान-सुनकर आमजनो मे उनकी लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।कुमारी अंजली तोमर अपनी तैनाती के कुछ ही दिनो बाद हर तरह के ट्रेनर के रूप मे छात्रो को जागरूक करने मे अहम भूमिका निभा रही है।यही नही अगले माह होने वाले चुनाव मे भी शत-प्रतिशत मतदान करने हेतु मतदाताओ को जागरूक करने के लिए भी निरन्तर प्रयासरतन है। जो अन्य प्राथमिक विद्यालयो की तुलनात्मक उनकी पहचान अलग बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार जिले के हनुमानगंज ब्लाक के अलावल पुर की प्राथमिक विद्यालय में तैनात शिक्षिका कुमारी अंजली तोमर शासन द्वारा संचालित 100 दिन कि राष्ट्र व्यापी रीडिंग कैंपेन का संचालन करने हेतु काफी प्रयासरत है। कोविड संक्रमण काल में दूरी का पालन करते हुए बच्चों को घर-घर जाकर गरीब की झुग्गी झोपड़ी तक शिक्षा दे रही है। वह कोरोना संक्रमण से बचाव के बारे में भी बच्चों एवं उनके

अभिभावकों को जानकारी दे रही है।बीते माह से अंजली तोमर विद्यालय के बच्चों को डोर टू डोर गांव मे घर'-घर जाकर पढ़ा रही हैं। अतिगरीब अभिभावक बच्चों के घर जाकर विद्यालय के छात्र-छात्राओ को पठन-पाठन का कार्य से विद्यालय के मासूम बच्चे काफी खुश मिजाज है। आज सोमवार को अलावलपुर में श्री हनुमान मंदिर के प्रांगण में मोहल्ला पाठशाला शुरुआत हुई जिसमें कुमारी अंजली तोमर ने अपने कुशल नेतृत्व में मोहल्ला पाठशाला की विगत कई दिनों से बच्चों के बीच शिक्षा से लगाव को मजबूत करने में लगी हुई जो इस वैश्विक महामारी में एक नेक कार्य है क्योंकि इस महामारी ने बच्चों का बहुत नुकसान पहुचाया है ऐसे में बच्चों में पढ़ाई के प्रति लगाव का यही सबसे उचित माध्यम है आजबलवीर ,गुलजार ,प्रिया ,संजना, रीया ,अरुण ,आर्यन, रूमन, वन्दना,नंदनी ,संध्या विशेक मुस्कान,पिंटू,धनंजय,प्रकाश,काजल ,राज ,खुशी ,बच्चों को काम दिया गया इस कार्य मे अवधेश कुमार (शिक्षा मित्र) भी उपस्थित रहे। विद्यालय परिक्षेत्र के अन्य जगहो पर प्रदीप कुमार यादव प्रधानाध्यापक ने भी मोहल्ला पाठशाला का संचालन किया ।जिससे पूरी ग्राम सभा मे एक चर्चा का विषय बना हुआ है साथ ही बच्चों में उत्साह देखने को मिला।

चार मतदान कार्मिकों पर एफआइआर का निर्देश

गाजीपुर। विधानसभा चुनाव को लेकर सोमवार को सनतकोत्तर महाविद्यालय में प्रथम प्रशिक्षण में चार प्रथम मतदान अधिकारी अनुपस्थित रहे, जिनके खिलाफ डीएम ने एफआइआर दर्ज कराने का निर्देश दिया है। वहीं उपस्थित 620 प्रथम मतदान अधिकारी को प्रशिक्षण दिया गया अनुपस्थित रहने वालों में सहायता प्राप्त विद्यालय देवकली की सहायक अध्यापक मालती यादव, राष्ट्रीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान वरिष्ठ सहायक अतुल कुमार राय, प्राथमिक शिक्षा क्षेत्र सैदपुर के सहायक अध्यापक अनुराग, प्राथमिक विद्यालय क्षेत्र मरदह के सहायक अध्यापक धर्मेंद्र कुमार सिंह हैं। डीएम की सख्ती से संबंधितों में खलबली मची हुई है।

फरवरी का खाद्यान्न वितरण लंबित

गाजीपुर। खाद्य सुरक्षा गारंटी योजना (एनएफएसए) के दायरे में आने वाले लाभाथिर्यों को फरवरी के प्रथम चरण का वितरण अन्य खाद्यान्न में नमक व खाद्य तेल की आपूर्ति न हो पाने के कारण आपूर्ति आने तक लंबित हो गई है। जबकि यह वितरण लाभाथिर्यों को दो फरवरी से कराया जाना था। खाद्य सुरक्षा के अंतर्गत लाभार्थियों को खाद्यान्न के प्रति सदस्य पांच किलो अनाज (गेहूं-चावल) व अंत्योदय के लाभार्थियों को 35 किलो अनाज बीस किलो गेंहू व 15 किलो चावल निश्शुल्क दिया जाता है। इसके साथ लाभार्थियों को दिसंबर से खाद्य तेल, नमक व चना एक किलो की मात्रा में दिया जा रहा है। यह एनएफएसए के तहत मिलने वाले प्रति व्यक्ति मिलने वाले पांच गेहूं या चावल से अतिरिक्त था। सरकार की इस योजना को कोरोना में लोगों को काफी राहत मिली। जिला पूर्ति अधिकारी कुमार निर्मलेंदु ने बताया कि खाद्य तेल की आपूर्ति लखनऊ व नमक की आपूर्ति वाराणसी से की जाती है। जो अभी तक जिले को नहीं मिली है, एक दो दिन में जनपद में आपूर्ति पहुंचने के बाद राशन का वितरण सुचारु रूप से कराया जाएगा।

खुले स्कूल, बच्चों में दिखा उत्साह

गाजीपुर । नौवीं से 12वीं तक के स्कूलों को सोमवार से खोल दिया गया। बोर्ड परीक्षा नजदीक देखते हुए हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में आफलाइन पढ़ाई शुरू कर दी गई।

कोरोना संक्रमण के चलते 30 दिसंबर से स्कूलों को बंद किया गया था। विद्यालय आने वाले छात्रों को मास्क लगाने, सोशल डिस्टेंसिग का पालन करने व सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने को कहा गया। पहले दिन कम छात्र स्कूल पहुंचे थे। स्कूल में प्रवेश करने से पहले उनकी थर्मल स्कैनिग की गई। जिला विद्यालय निरीक्षक डा. ओपी राय ने बताया कि शीघ्र ही नीचे की कक्षाओं की भी आफलाइन पढ़ाई शुरू की जाएगी। खानपुर विद्यालय परिसर में प्रवेश करने पर सेनेटाइजर और मास्क के काउंटर लगे हुए थे। कक्षाओं में छात्रों को बैठने के लिए शारीरिक दूरी का पालन किया गया था। कई स्कूलों में बच्चों की संख्या अच्छी खासी रही तो कई स्कूलों में विद्यार्थियों की कमी से शिक्षक परेशान दिखाई पड़े। शिक्षार्थियों में अपने सहपाठियों से मिलने और अध्यापकों का सानिध्य पाने की खुशी चेहरे पर झलक रही थी। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के छात्रों में अपने कोर्स पूरा करने के लिए आफलाइन कक्षाओं के संचालन से संतुष्टि के भाव दिखाई पड़े। रामजीत इंटर कालेज टड़वा, रामकरन इंटर कालेज इशोपुर, जसवंत राय इंटर कालेज गोरखा, जनता इंटर कालेज बभनौली, विवेकानंद कालेज चिलौनकला, उमा पब्लिक स्कूल बेलहरी, बाबा विश्वनाथ इंटर कालेज तेलियानी आदि सभी स्कूल कालेज कोविड संक्रमण के प्रसार को देखते हुए स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा गया था।

लक्ष्य से अधिक किशोरों को लगा टीका

गाजीपुर । कोविड-19 वैक्सीनेशन के क्रम में किशोरों ने उत्साह दिखाया है। इसका असर यह रहा कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से तय 15 से 18 वर्ष तक के लक्ष्य से अधिक किशोरों को टीका लगाया जा चुका है। अब तो दूसरी डोज लगनी शुरू हो गई है। शीघ्र ही बचे हुए किशोरों का टीकाकरण भी पूरा कर लिया जाएगा। जनपद में 15 से 18 वर्ष तक के किशोरों का टीकाकरण पिछले तीन जनवरी से शुरू हुआ था। शासन ने जिले में 253910 किशोरों को टीका लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया था। इसको लेकर किशोरों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। उन्होंने पहले दिन से ही टीकाकरण केंद्रों पर पहुंचना शुरू कर दिया। अभिभावकों ने भी किशोरों को इसके लिए प्रोत्साहित किया। इसके अलावा जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग के सहयोग से विद्यालयों में जगह-जगह टीकाकरण कैंप लगाए गए। इससे टीकाकरण की गति काफी तेज हो गई और देखते ही देखते लक्ष्य पूरा कर लिया गया। अब तक जिले में 265490 किशोरों को टीका लगाया जा चुका है, जो लक्ष्य से 11580 अधिक है। यही नहीं, अब तक 4058 किशोरों ने तो सेकेंड डोज भी लगवा लिया है। 15 से 18 वर्ष तक के किशोरों का वैक्सीनेशन लक्ष्य से अधिक कर लिया गया है। अब तो उनकी दूसरी डोज भी शुरू हो गई है। अब जो बचे हुए किशोर है, उनको तलाश कर टीका लगाया जा रहा है।

बलिया के रसड़ा से सुभासपा और सपा ने महेंद्र चौहान को बनाया उम्मीदवार

बलिया। समाजवादी पार्टी और सुभासपा की ओर से महेंद्र चौहान को बलिया की रसड़ा सीट से साझा उम्मीदवार घोषित किया गया है। इस बाबत सुभासपा की ओर से अरविंद राजभर ने इंटरनेट मीडिया

में सोमवार को सूचना जारी कर प्रत्याशी की पुष्टि की है। अरविंद राजभर ने लिखा है कि - जी एक गरीब पंचर बनाने वाले के बेटे को रसड़ा से सपा-सुभासपा गठबंधन के प्रत्याशी श्री महेंद्र चौहान जी घोषित रसड़ा की विधानसभा सीट पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी की ओर से साझा उम्मीदवार के तौर पर प्रत्याशी की घोषणा की गई है। वहीं अब बलिया जिले में सियासी समीकरण नए सिरे से बनने को लेकर स्थिति काफी हद तक स्पष्ट होती जा रही है। पूर्व में कांग्रेस की ओर से भी बलिया जिले में स्थिति स्पष्ट होने के बाद अब बाकी प्रमुख दलों की ओर से भी रणनीति स्पष्ट होती जा रही है। महेंद्र चौहान मूल रूप से गाजीपुर जनपद के मरदह के निवासी हैं। महेंद्र चौहान ने वर्ष 1998 में छात्र संघ चुनाव में भाग्य आजमाया किंतु सफल नहीं हुए। वे 1996 में सपा से जुड़े और इनकी पतने मंजू चौहान 2000 में जिला पंचायत सदस्य बनीं। वर्ष 2017 में जहूराबाद विधान सभा सीट से महेंद्र चौहान ने सपा की टिकट पर सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के खिलाफ लड़े और लगभग 64 हजार मत पाकर तीसरे स्थान पर रहे। महेंद्र के पिता मरदह में साईकिल का पंक्चर बनाने का कार्य करते थे। महेंद्र कुछ माह पूर्व ही सुभासपा के साथ जुड़े। रसड़ा में भाजपा बब्बन राजभर, बसपा ने उमाशंकर सिंह तथा कांग्रेस ने डा. ओमलता भारती को प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। बलिया में रोमांचक स्थिति : बलिया की बैरिया विधानसभा सीट पर लड़ाई रोमांचक हो गई है। दरअसल यहां से भाजपा की ओर से वर्तमान विधायक सुरेंद्र सिंह का टिकट काटकर मंत्री आनंद स्वरूप को रसड़ा से टिकट दे दिया है। रसड़ा से मंत्री आनंद स्वरूप शुक्ल को टिकट मिलने के बाद यहां सियासी सरगर्मी शुरू हो गई।

गुप्त नवरात्र के षष्ठी तिथि पर मां विंध्यवासिनी के दर पर बिखरी अलौकिक छटा

वाराणसी । गुप्त नवरात्रि के षष्ठी तिथि पर मुंडन और जनेऊ का मुहूर्त होने के चलते सोमवार को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। हर कोई मां विंध्यवासिनी के दर्शन को बेताब दिखा। कोई गोद में बच्चे को लेकर आस्था पथ बढ़ते जा रहा था तो कोई प्रसाद लेकर मंदिर की ओर चल पड़ा था। मां विंध्यवासिनी की जयकारे से विंध्यधाम गुंजायमान हो उठा। मां विंध्यवासिनी की चौखट पर भीड़ इतनी थी कि मंदिर पर पैर रखने तक की जगह नहीं थी। श्रद्धालुओं की भीड़ से दुकानदार तो दुकानदार, नाई समाज, भिखारी व पंडा भी काफी खुश दिखे। गुप्त नवरात्रि के षठी तिथि पर पांच लाख भक्तों ने मां विंध्यवासिनी की चौखट पर शीश नवाया। गुड़हल, कमल पुष्प व रत्न जड़ित हार से मां विध्यवासिनी का श्रृंगार किया गया था। मंगला आरती के बाद जैसे ही मंदिर का कपाट खुला, ऐसा लगा मानो मां ने बुलाया हो। श्रद्धालु पहले ही नारियल-चुनरी, माला-फूल प्रसाद लेकर कतारबद्ध हो गए थे। जयकारे के साथ श्रद्धालु मंदिर की ओर बढ़ते रहे। किसी ने झांकी तो किसी ने गर्भगृह पहुंच मां विध्यवासिनी का दर्शन-पूजन किया। मां की झलक पाकर भक्त निहाल हो उठे। इसके बाद मंदिर परिसर पर विराजमान समस्त देवी-देवताओं को नमन किया और हवन-कुंड की भी परिक्रमा की। दिन चढ़ता गया श्रद्धालु बढ़ते गए। मुंडन संस्कार व यज्ञोपवीत के लिए भारी भीड़ रही। मंदिर के नीचे, गंगा तट पर मुंडन संस्कार तो मंदिर की छत पर यज्ञोपवीत संस्कार हुआ। मां विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए उमड़ी भीड़ से मंदिर तो मंदिर, मंदिर की छत भी भक्तों से पटी नजर आई। वाहन स्टैंड भी फुल हो गए। मुंडन मुहूर्त होने के चलते गंगा घाटों पर भीषण भीड़ दिखा।

अधिशासी अभियंता पर गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज

सैदपुर (गाजीपुर) । शरीफपुर में प्राथमिक विद्यालय की दीवार व गेट गिरने से ननिहाल में आई बच्ची रिद्धि यादव की मौत के मामले में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता दिलीप कुमार शुक्ला के खिलाफ रविवार की रात में गैर इदातन हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया है। मुकदमा कायम करने के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। पुलिस की जांच में कई लोगों की लापरवाही सामने आ सकती है। हादसे के

बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हेमंत राव के निर्देश पर खंड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने ढहे पिलर की जांच की तो पता चला कि उसमें सरिया का प्रयोग नहीं हुआ है। डीसी निर्माण शमशेर आलम व शरीफपुर प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमरनाथ की तहरीर पुलिस ने आरईडी के अभियंता पर मुकदमा दर्ज किया है। जौनपुर में आरईडी के अभियंता पर गाजीपुर का करीब तीन साल से प्रभार है। कोतवाल तेजबहादुर सिंह ने बताया कि मुकदमा कायम कर मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है। स्कूल खुला, अभिभावक व बच्चे भयभीत प्राथमिक विद्यालय शरीफपुर सोमवार को खुला, शिक्षक पहुंचे लेकिन ग्रामीणों में भय का माहौल है। कक्षा आठ तक के बच्चों की छुट्टी है। बावजूद इसके स्कूल में शिक्षकों के आने पर गांव के कई बच्चे आ जाते थे,लेकिन सोमवार को एक भी बच्चा नहीं आया। ग्रामीणों का कहना है कि संयोग अच्छा था कि स्कूल नहीं खुला था। अन्यथा बड़ा हादसा हो जाता। स्कूल में 145 बच्चों पर एक हेडमास्टर, तीन सहायक अध्यापक व एक शिक्षामित्र की तैनाती है। मिर्जापुर पूर्व माध्यमिक विद्यालय का भी गिरा दीवार व गेट वर्ष 2019 में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग से शरीफपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय के साथ मिर्जापुर स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय में भी चहारदीवारी का निर्माण कर गेट लगाया गया था। करीब छह माह पहले मिर्जापुर विद्यालय की दीवार व गेट गिर चुका है। एक गेट बचा है जिससे हादसे की आशंका है। कार्यवाहक प्रधानाध्यापक इसरार अहमद सिद्दीकी ने बताया कि यहां चहारदीवारी व गेट का निर्माण आठ लाख 10 हजार रुपये की लागत से कराया गया है। स्कूल की चहारदीवारी गिरने में सबसे अधिक कसूरवार ठेकेदार है। शरीफपुर के ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार ने मनमाने ढंग से घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया था। ठेकेदार के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज होने की कार्रवाई होनी चाहिए।

मतदान से पहले घर-घर मतदाता पर्ची बाटेंगे बीएलओ

गाजीपुर। विधान सभा चुनाव 2022 में मतदाताओं को परेशानी से बचाने के लिए अधिक से अधिक मतदान कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने सभी तहसीलों को निर्देशित किया है कि वह अपने-अपने तहसील में बीएलओ से घर-घर मतदाता पर्ची का वितरण करांएगे। मतदान दिवस से पूर्व प्रत्येक मतदाता के पास उनकी पर्ची हर हाल में पहुंच जानी चाहिए। जिससे मतदाता को मतदान के दिन किसी भी प्रकार के दिक्कत का सामना न करना पड़े और सात मार्च को अधिक से अधिक मतदान कराया जा सके। इससे पहले 2012 के विधान सभा में कुल मत फीसद 57.45 व 2017 में 59.77 फीसद रहा। इस बार इसे बढ़ाने की कवायद में चुनाव आयोग से लेकर जिला निर्वाचन विभाग तक लगा हुआ है। इसके लिए विभाग के अलावा कई स्वयं सेवी संस्थाएं भी लोगों को जागरूक करने में लगी हुई है। इस बार वोटरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन आयोग ने जिले के कुल 3096 बूथों पर सुबह सात से शाम छह बजे तक मतदान का समय निर्धारित किया है। बूथ लेवल आफिसर घर-घर जाकर मतदाता पर्ची देंगे। अपर जिलाधिकारी व उप निर्वाचन अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से भी वोटर आइडी के बारे में जानकारी ले सकते हैं। अधिक से अधिक मतदान कर अपनी वोट की ताकत समझें। मतदान के रिकॉर्ड से ही ताकत बढ़ेगी।

समाजवादी पार्टी ने जारी की उम्मीदवारों की नई लिस्ट, आजमगढ़ के मुबारकपुर से लड़ेंगे अखिलेश यादव

वाराणसी । पूर्वांचल में समाजवादी पार्टी की ओर से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की स्थिति स्पष्ट होती जा रही है। सोमवार की दोपहर बाद जारी लिस्ट के अनुसार आज़मगढ़ में सगड़ी डॉ एच एन पटेल, आज़मगढ़ में मुबारकपुर से सपा नेता अखिलेश यादव, मऊ के मोहम्मदाबाद गोहाना से बैजनाथ पासवान, बलिया नगर से नारद राय, जौनपुर मड़ियाहूं से सुषमा पटेल, वाराणसी दक्षिण से किशन दीक्षित और सेवापुरी से सुरेंद्र सिंह पटेल के अलावा मिर्जापुर के छानबे से कृति कोल को टिकट दिया गया है। इस प्रकार पूर्वांचल से कुल आठ नए उम्मीदवारों की लिस्ट समाजवादी पार्टी की ओर से जारी की गई है। पूर्वांचल में चुनावी तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी की ओर से उम्मीदवारों की लिस्ट लगातार जारी की जा रही है।आज़मगढ़ जिले में सगड़ी विधानसभा सीट से डॉ. एच. एन. पटेल और आज़मगढ़ में ही मुबारकपुर से अखिलेश यादव को टिकट दिया गया है। मऊ के मोहम्मदाबाद गोहाना से बैजनाथ पासवान को जहां टिकट मिला है वहीं बलिया नगर से नारद राय और जौनपुर मड़ियाहूं से सुषमा पटेल को टिकट जारी किया गया

है। वाराणसी दक्षिण से किशन दीक्षित और सेवापुरी से सुरेंद्र सिंह पटेल को टिकट दिया गया है। वहीं मीरजापुर के छानवे से कृति कोल को चुनाव मैदान में उतारा गया है। इन सभी सीटों पर सपा उम्मीदवारों को अपनादल (कमेरावादी) के साथ के टिकट पर चुनाव लड़े और विजयी रहे। सरकार में उन्हें मंत्री भी बनाया गया था। 2017 के चुनाव में पार्टी से अनबन होने के बाद वह बसपा में शामिल हो गए और बसपा से ही नगर के सीट पर चुनाव लड़े, लेकिन हार का सामना करना पड़ा। ही सुभासपा का भी साथ मिलेगा। बलिया नगर सीट पर नारद को टिकट : सपा ने बलिया नगर सीट पर नारद राय पर अपना दांव लगाया है। बलिया के नगर सीट पर 2002 में जीते थे। 2012 में भी वह सपा विधान सभा चुनाव पूर्व वह पुनः बसपा छोड़ सपा में शामिल हो गए। श्री राय जनेश्वर मिश्र के समय से सपा में रहे हैं। अखिलेश सरकार में वह पहले खेल और फिर खादी ग्रामोद्योग मंत्री रहे, लेकिन 2016 में जब अखिलेश यादव को प्रदेश अध्यक्ष के पद से हटाया गया था तब उसके बदले में अखिलेश ने शिवपाल समेत नारद राय को मंत्री पद से हटा दिया था। नारद के आने से बलिया नगर सीट की जंग भी रोचक हो चली है। इस सीट पर भाजपा ने दयाशंकर सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया है। अखिलेश यादव मुबारकपुर और एचएन पटेल सगड़ी से सपा प्रत्याशी : आजमगढ़ में सपा ने जनपद की दो और विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। घोषित प्रत्याशियों में मुबारकपुर विधानसभा सीट से पूर्व जिलाध्यक्ष एवं दो बार मामूली वोटों से हारे अखिलेश यादव तीसरी बार चुनाव लड़ेंगे, जबकि सगड़ी विधानसभा से डा. एचएन पटेल सपा का चेहरा होंगे। इसके साथ ही दस में सपा के नौ उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतर आए हैं। अखिलेश यादव मुबारकपुर विधानसभा क्षेत्र के सुराई गांव के निवासी एवं सनतक हैं। इन्होंने राजनीति की शुरुआत कम्युनिस्ट पार्टी से की थी, लेकिन बाद में सपा से जुड़े तो फिर पाला नहीं बदला। विधानसभा सगड़ी से उम्मीदवार बने डा. हृदय नारायण सिंह पटेल मऊ जिले के बड़रांव ब्लाक के सोनाडीह गांव के निवासी हैं और गोरखपुर के बड़हलगंज में नर्सिंग होम का संचालन करते हैं। मऊ में बैजनाथ पर जताया भरोसा : मऊ में ने बैजनाथ पासवान पर भरोसा जताया है। वह कमालुद्दीनपुर चिरैयाकोट मऊ के निवासी हैं और दो बार समाजवादी पार्टी से विधायक रहे हैं। पहली बार 2002 में और दूसरी बार 2012 में वह जीते थ। तीसरी बार 2017 में वह चुनाव हार गए थे। इस बार फिर समाजवादी पार्टी ने इनको टिकट देकर भरोसा जताया है।

यूपी चुनाव 2022 : हॉट सीट हुई बलिया का बैरिया, समीकरण ने राजनीतिक पंडितों का गणित बिगाड़ा

बलिया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण और छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की विधानसभा बैरिया इस समय पूर्वांचल की सबसे 'हॉट सीट' बन चुकी है। यहां महीनों से पक रही भाजपा के टिकट की खिचड़ी अब 'सियासी हांडी' से निकाली जा चुकी है। उसे वोटर देवता को परोसने की तैयारी है। इस बार यहां समीकरण दिग्गज राजनीतिक पंडितों का गणित बिगाड़ चुका है। प्रदेश की राजनीति में चमक बिखेरने वाले दयाशंकर सिंह को बलिया नगर सीट से उतारना और संसदीय कार्य राज्य मंत्री आनंद स्वरूप शुक्ला को बैरिया सीट से लड़ाने का

फैसला यकीनन सबको चौका गया। हाईकमान की इस चाल ने विपक्ष को ढेर कर दिया। अभी तक समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने दोनों सीटों पर अपने पत्ते नहीं खोले है, लेकिन यहां जंग रोमांचक होने के पूरे आसार है। 2017 के विधानसभा चुनाव में बैरिया से सुरेंद्र सिंह 17,078 वोटों से जीते थे। मोदी लहर में वह नया चेहरा थे, उन्होंने सपा के धुरंधर नेता जयप्रकाश अंचल को शिकस्त दी थी।` पहचाने गए। वर्चस्व को लेकर उनका सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त से विवाद भी सरेआम हुआ। बिहार से हो रही बालू तस्करी को लेकर दोनों दिग्गजों की नूराकुश्ती ने जमकर सुर्खियां बटोरीं। कई बार अफसरों को सड़क के गड्ढों में उतार कर सुरेंद्र अपने ही सरकार के कामकाज पर सवाल उठाते रहे।

बीएचयू के वैज्ञानिकों की देखरेख में ड्रोन से हुआ गेहूं की फसल में तरल नैनो यूरिया का छिड़काव

वाराणसी। जमालपुर क्षेत्र में बीएचयू के इंस्टीट्यूट आफ एग्रीकल्चर के वैज्ञानिक डा. अनुपम कुमार नेमा की देखरेख में सोमवार को ड्रोन से भदावल गांव के प्रगतिशील किसान रमेश सिंह के खेत में तरल नैनो यूरिया का छिड़काव गेहूं की फसल में किया गया गया। बीएचयू की ओर से पूर्व में भी खेतों में रसायनों का ड्रोन से छिड़काव करने का प्रयोग किया जा चुका है। रसायनों का छिड़काव ड्रोन से करने की वजह से एक समान तरीके से सभी क्षेत्र में रसायनों का जहां छिड़काव संभव हो सका है वहीं दूसरी ओर रसायनों का छिड़काव ड्रोन के माध्यम से होने की वजह से रसायनों का खतरा भी इंसान द्वारा करने पर कम होगा। ड्रोन से खेत में उर्वरक का छिड़काव होता देख ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। दो एकड़ गेहूं की फसल में नैनो उर्वरक का छिड़काव करने में मात्र पंद्रह मिनट का समय लगा। बीएचयू के वैज्ञानिक ने बताया कि एक एकड़ गेहूं की फसल में पांच सौ एमएल तरल नैनो यूरिया का छिड़काव होता है। पांच सौ एमएल की कीमत 240 रूपए है। कई बार छिड़काव करने के दौरान लोगों के भी आई थीं। अब बीएचयू के कृषि अधिकारियों की देखरेख में हो रहे इस कार्य को देखते हुए भविष्य में पूर्वांचल में बड़े स्तर पर खेती में ड्रोन तकनीक का प्रयोग होना तय है।

वैक्सीनेशन के नौ दिन बाद भी आनलाइन पंजीयन नहा

सोनभद्र । स्थानीय बाजार स्थित रामलीला मैदान में वैक्सीन लगवाने के नौ दिन बाद भी आनलाइन पंजीयन नहीं हो सका हैं। पंजीयन करने को लेकर स्वास्थ्य कर्मियों से कई बार लोगों ने गुहार लगाई। बावजूद स्वास्थ्य कर्मियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। स्वास्थ्य विभाग की ऐसी लापरवाही से लोग काफी परेशान हैं। कोरोना महामारी से बचाने के लिए स्वास्थ्य कर्मियो की ड्यूटी जगह-जगह लगाई गई है। कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए सरकार द्वारा कड़े दिशा निर्देश दिए गए हैं। इसके अनुपालन में शिक्षण संस्थान हो या सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों पर राशन लेने जाने पर कोरोना रोधी टीका लगवाने वालों का आनलाइन हुआ पंजीयन का प्रमाण प्रतिलिपि मांगा जा रहा है। सरकार द्वारा भी बार-बार आनलाइन पंजीयन कर ही कोरोना रोधी टीका लगाने की बात कही जा रही हैं। इसके बाद भी बिना पंजीयन कर रजिस्टर पर ही व्यक्ति का नाम, आधार कार्ड नंबर व मोबाइल नंबर लिख कर वैक्सीनेशन कर दिया जा रहा है। जहां लोगों से कहा जा रहा है कि यह रजिस्टर स्वास्थ्य विभाग में जमा कर दिया जाएगा। वहां से आनलाइन पंजीयन रजिस्टर के आधार पर कर दिया जाएगा, लेकिन नौ दिन बाद भी आनलाइन पंजीयन नहीं हो सका है। कुमारी कल्पना के स्वजनों ने कई बार स्वास्थ्य कर्मियों से गुहार लगाई, लेकिन पंजीयन नहीं हो सका। इसी प्रकार 17 सितंबर 2021 को आनलाइन पंजीयन न होकर रजिस्टर पर ही कुमार कार्तिकेय का वैक्सीनेशन आधार नंबर व मोबाइल नंबर अंकित कर किया गया था। लगभग पचास दिन बीतने के बाद भी स्वास्थ्य कर्मियों ने आनलाइन पंजीयन नहीं किया था। काफी प्रयास करने के दो माह बाद कार्तिकेय का आनलाइन पंजीयन हो सका था। वर्जन स्वास्थ्य कर्मियों की जिम्मेदारी है कि वह आनलाइन पंजीयन होने के बाद ही किसी का वैक्सीनेशन करें। आनलाइन पंजीयन करना ड्यूटी पर लगे स्वास्थ्य कमिर्यों की ही है।

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की मनाई गई जयंती

सोनभर्द्र। मधुरिमा साहित्य गोष्ठी के तत्वावधान में पं. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की जयंती शनिवार को मनाई गई। अध्यक्षता कर रहे साहित्य गोष्ठी के निदेशक अजय

शेखर ने कहा कि संस्कृति देश की आत्मा होती है। यदि वह मिट जाए तो देश अपना अस्तित्व खो देता है। वरिष्ठ साहित्यकार अर्जुन दास केसरी ने कहा कि निराला का साहित्य व अंदाज निराला था। उनका संपूर्ण जीवन देश जन की सेवा के लिए समर्पित था। कथाकार रामनाथ शिवेंद्र, मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी, जगदीश पंथी, सुशील राही, कृपा शंकर द्विवेदी, महेंद्र शुक्ला, रमेश देव पांडेय, फरीद अहमद मौजूद रहे। उधर अनपरा में बीना परियोजना आवासीय परिसर में महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराली की जयंती मनायी गयी। साहित्यकार दिनकर ने कहा कि निराला भयमुक्त स्वतंत्र भारत के स्वप्नदर्शी कवि थे। भारत की धर्मप्राण संस्कृति के गौरव गायक और नवजागरण की चेतना का शंखनाद करने वाले महाकवि निराला अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से सदियों तक साहित्य सर्जना का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

सड़क हादसों में सात लोग घायल

मीरजापुर । दो अलग-अलग स्थानों पर रविवार को हुए सड़क हादसों में एक महिला सहित सात लोग घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से घायलों को पास के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों ने तीन लोगों की हालत गंभीर देख मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। हलिया प्रतिनिधि के अनुसार प्रयागराज जनपद के मांडा थाना क्षेत्र के गोरैया निवासी विपिन सिंह (22) अपने साथी महेशपुर निवासी राजेश सिंह के साथ बाइक से जा रहे थे। अभी राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 135 पर पहुंचे थे कि सामने से आ रही कार से बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गए। थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह और चौकी प्रभारी राम बहादुर राय ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को न्यू पीएचसी डूमंडगंज पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने दोनों घायलों को मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है। लालगंज प्रतिनिधि के अनुसार मीरजापुर से लालगंज जा रही एक आटो में एक महिला सहित पांच सवारियां बैठी थीं। लहंगपुर पहुंचते ही आटो का टायर ब्रस्ट हो जाने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें सभी पांच यात्री घायल हो गए। इस दुर्घटना में हर्ष (24) पुत्र बंशीलाल निवासी भरपुरा थाना पड़री की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों की चीख पुकार सुनते ही ग्रामीणों ने आटो के नीचे दबे सभी को बाहर निकाला। लहंगपुर पुलिस चौकी के सिपाहियों ने आटो सवार सभी घायलों को न्यू पीएचसी में भर्ती कराया है। यहां महिला सहित चार अन्य लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। वहीं हर्ष की हालत गंभीर देखते हुए डाक्टरों ने उसे मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया।

ट्रक चालक को पकड़ने के चक्कर में नीचे आया, मौत

चुनार (मीरजापुर) । कोतवाली क्षेत्र के दुर्गाजी मोड़ पर सक्तेशगढ़ आश्रम से दर्शन -पूजन कर लौट रहे वाराणसी के जंसा थाना क्षेत्र अंतर्गत खेवली भक्सार गांव निवासी लुटावन राम (60) की शनविार की देर शाम ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। वाराणसी के जंसा थाना क्षेत्र अंतर्गत खेवली भक्सार गांव निवासी लुटावन राम परिवार के साथ कार से सक्तेशगढ़ स्थित परमहंस आश्रम दर्शन-पूजन करने आए थे। वापसी में मछरमर्रा मोड़ पर फोन आने पर कार चला रहे लुटावन के पुत्र धर्मेंद्र कुमार ने गाड़ी रोक दी। इस दौरान पीछे से आ रहा ट्रक कार की दाई तरफ टक्कर मार आगे भाग गया। ऐसे में लुटावन बाइक सवार से लिफ्ट लेकर ओवरटेकर कर ट्रक पर चढ़ने लगा। इस दौरान चालक ने ट्रक आगे बढ़ा दिया और लुटावन गिरकर पिछले पहिए के नीचे आ गया। इससे कुचलकर उसकी मौत हो गई। जानकारी होने पर सीओ रामानंद राय व कोतवाल गोपाल प्रसाद गुप्ता मौके पर पहुंच गए। मृतक के पुत्र धर्मेंद्र ने बताया कि उसके पिता की दो माह पहले बाइपास सर्जरी हुई थी। सफल आपरेशन होने के बाद वह महाराज का दर्शन करने सपरिवार आश्रम आए थे। मृतक के साथ उनकी पत्नी व पौत्र सत्यम भी था। घटना के बाद सभी का रो-रोकर बुरा हाल था। मृतक के तीन पुत्र व एक पुत्री है। सभी का विवाह हो चुका है।

शुरू होगे 4080 मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण

सोनभद्र। विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां जोरों पर चल रही है। रविवार से जिले के 4080 मतदान कमिर्यों का प्रशिक्षण दो पालियों में शुरू होगा। एक दिन में 1020 पीठासीन अधिकारियों व प्रथम मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिलाधिकारी टीके

शिबू ने बताया कि 6 से 9 फरवरी चार दिनों तक प्रशिक्षण दो पालियों में होगा। राजकीय पालीटेकिन्क कालेज लोढ़ी को प्रशिक्षण स्थल बनाया गया है। चार दिन में 4080 कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। नामांकन की प्रक्रिया 10 से 17 फरवरी तक पूरी होने के बाद मतदान से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों का प्रशिक्षण होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 6 फरवरी को प्रथम पाली में एक से 510 क्रमांक वाले पीठासीन व प्रथम मतदान अधिकारियों का प्रशिक्षण सुबह साढ़े दस बजे से डेढ़ बजे तक, द्वितीय पाली में 511 से 1020 तक दोपहर बाद दो बजे से शाम पांच बजे तक प्रशिक्षण होगा। 7 फरवरी को प्रथम पाली में 1021 से 1530 तक, द्वितीय पाली में 1531 से 2040 तक, 8 फरवरी को प्रथम पाली में 2041 से 2550 तक, द्वितीय पाली में 2551 से 3060 तक, 9 फरवरी को प्रथम पाली में 3061 से 3570 तक व द्वितीय पाली में 3570 से 4080 तक के क्रमांक वाले पीठासीन अधिकारियों व प्रथम मतदान अधिकारियों का प्रशिक्षण होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने चेतावनी दी कि प्रशिक्षण में उपस्थित न होने वालों के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। बताया कि प्रशिक्षण स्थल पर समय से आधे घंटे पूर्व उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य है। नियुक्ति पत्र में नाम, पदनाम एवं मोबाइल नंबर अंकित किया गया है। यदि कोई त्रुटि है तो इसकी लिखित सूचना प्रशिक्षण में ही उपस्थिति काउंटर पर उपलब्ध करा दें। डीएम ने कहा कि यह प्रशिक्षण कोविड गाइड लाइन के अनुसार होगा। सभी को मास्क लगाकर आना अनिवार्य होगा। प्रशिक्षण के लिए ईवीएम व वीवीपैट मशीन को तैयार रखा गया है।

दो लोगों पर हमला, पांच के खिलाफ मुकदमा

करमा (सोनभद्र)। स्थानीय थाना क्षेत्र के सरौली गांव में ईंट की दीवार जोड़ने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। गांव के विजय कुमार यादव (19) पुत्र रामनरायण यादव व रामनरायण यादव (55) दीवार जोड़ रहे थे। इसी दौरान विपक्षी चंद्रजीत यादव (25), अजय यादव, सुरेंद्र यादव, सतीश यादव ने लाठी व डंडे से उन पर हमला बोल दिया। इसमें विजय यादव व रामनरायण को सिर में गंभीर चोट आ गई है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायल व्यक्ति को अस्पताल भेज दिया। रामनरायण के दूसरे लड़के ओमप्रकाश यादव की तहरीर पर 5 लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। करमा थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि आरोपितों की तलाश की जा रही है।

राष्ट्रपिता के विचारों पर चलने का संकल्प

गोविदपुर (सोनभद्र)। गांधी विचार धारा से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं की आनलाइन विचार गोष्ठी शनिवार को हुई। इस दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। महाराष्ट्र के वर्धा से किसान जनांदोलन से जुड़े गांधी विचारक अविनाश काकड़े ने गांधी जीके जीवन, देश के बंटवारे पर चर्चा की। कहा कि हमें सुनी हुई बातों से ज्यादा तथ्यों पर बात करनी चाहिए। गांधी प्रासांगिक है, यह सवाल नहीं है। सवाल यह है कि हम कितने प्रासंगिक है। कहा कि देश के बंटवारे में गांधी का कोई हाथ नहीं था। ये अंग्रेजों की रणनीति थी और यहां का एक वर्ग देश का बंटवारा चाहता था। कहा कि गांधी को समझने की जरूरत है। प्रदीप सिंह ने कहा कि इंटरनेट मीडिया पर गांधी जी को लेकर जो भ्रामक बातें प्रचारित की जा रहीं है, उससे गांधी के विचार खत्म नहीं होंगे। मेरी सोच ही सही है। इसे ही लोग मानें। यह वर्चस्व की लड़ाई से अलग निकलने की जरूरत है। इस मौके पर डा. विभा , विमल, देवनाथ, रमेश यादव, बेचन राम, ओंकार पांडेय, शिव सरन सिंह, शिव नारायण आदि मौजूद रहे।

रूद्र महायज्ञ मंडप की श्रद्धालुओं ने की परिक्रमा

सोनभद्र । राबर्ट्सगंज के आंबेडकर नगर स्थित कड़े शीतला माता मंदिर प्रांगण में चल रहे विराट रुद्र महायज्ञ में पांचवें दिन शनिवार को यज्ञ मंडप की परिक्रमा के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ परिक्रमा की। इस दौरान आचार्य हरेराम शास्त्री के आचार्यत्व में विधि-विधान से वैदिक मंत्रोच्चार से बाबा वैद्यनाथ एवं श्रीराम चूड़ामणि वीर हनुमानजी महाराज की पूजा-अर्चना एवं भव्य आरती हुई। इस दौरान शंखनाद एवं घण्टा- घड़ियाल की ध्वनि से समूचा पंडाल गुंजायमान रहा। विराट रुद्र महायज्ञ शुरू होते ही यज्ञ मंडप की परिक्रमा के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने विशाल भंडारे में प्रसाद भी ग्रहण किया। आयोजक जंगली दास महाराज ने बताया कि आचार्य हरेराम मिश्र के आचार्यत्व में पंडित कृपा शंकर पांडेय समेत 11 पंडितों ने रुद्र महायज्ञ शुरू कराया। कार्यक्रम के संयोजक बृजलाल सरोज (बिरजू दास), यजमान रेवती नाथ तिवारी, बच्चालाल, विजय, रंजीत, रामबाबू (अभिषेक), श्यामबाबू, संगम मौजूद रहे।

मिनी सेंटर आफ एक्सीलेंस में उत्पादित पौधे होंगे रोगमुक्त

मीरजापुर । श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन के मिशन मैनेजर राजीव कुमार वर्मा ने पटेहरा कला में योजना के तहत क्लस्टर में राजकीय पौधशाला में निर्मित मिनी सेंटर आफ एक्सीलेंस का स्थलीय निरीक्षण किया। कृषि वैज्ञानिक डा. श्रीराम सिंह ने स्ट्रक्चर को बारीकी से देखा। बताया कि इसमें उत्पादित किए जाने वाले पौधे स्वस्थ व रोगमुक्त होंगे। किसानों को ससमय अच्छी नर्सरी खेतों में रोपण हेतु उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त होगा तथा उनकी स्थिति में काफी सुधार आएगा। जिला उद्यान अधिकारी मेवा राम ने बताया कि मिनी सेंटर आफ एक्सीलेंस में प्रति वर्ष लगभग 10 लाख सब्जी के पौधे इसमें टमाटर, खीरा, गोभी, मिर्च, शिमला मिर्च, करैला, कद्दू, लौकी आदि तैयार किए जाएंगे। नवीन तकनीक से सब्जियों के पौधों के उत्पादन से जनपद के किसानों को रोगमुक्त सब्जियों की पौध उपलब्ध होगा। बागवानी उद्योग में तकनीकी विकास में किसानों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने में उपयोगी साबित होगी। किसानों, उत्पादकों व उद्यमियों को तकनीकी जानकारी प्रदान की जाएगी। पौधों की समान वृद्धि होगी, स्वस्थ पौध उत्पादन से मृत्युदर में कमी आएगी तथा पौधे उचित रोपण समय पर उपलब्ध हो सकेगा। किसान पहले से प्रजातिवार पौध तैयार करा सकते हैं। पीडी अनय कुमार मिश्रा ने जिला उद्यान अधिकारी के द्वारा कराए गए कार्य की सराहना की।

घर-घर मोर्चेबंदी में जुटे राजनीतिक दल

चुनार (मीरजापुर) । इस बार के विधानसभा चुनावों में वर्चुअल और डिजिटल शब्द आम हो गए हैं। चुनाव आयोग ने वर्चुअल रैलियां करने को कहा है, जिसके बाद अधिकतर नेता व राजनीतिक दल इंटरनेट मीडिया पर मौजूद प्लेटफार्मो पर सक्रिय हो चुके हैं। वहीं चुनाव प्रचार की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी जनसंपर्क में भी चुनावी धुरंधरों ने अपने समर्थकों को तैनात कर दिया है। घर-घर जाकर लोगों से संपर्क कर रहे हैं। हालांकि अभी सभी प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा प्रत्याशी को लेकर अपने पत्ते नहीं खोले गए हैं। इस कारण भाजपा को छोड़कर अन्य दलों के लोग जनसंपर्क जैसे कार्यक्रम में कम ही दिखाई दे रहे हैं। एक तरफ इंटरनेट मीडिया के प्लेटफार्म फेसबुक और व्हाट्सएप पर शब्दों के तीरों की जंग छिड़ी हुई है। वहीं दूसरी तरफ उन ग्रामीणों तक पहुंचने के लिए पार्टियों की जद्दोजहद दिखाई दे रही है। जो अभी इंटरनेट मीडिया की आभासी दुनिया से दूर है। डिजिटल शोर के बीच सतही स्तर पर सीधे संपर्क के लिए पार्टियों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता अपने वादों और दावों के साथ मतदाता की चौखटों पर पहुंच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि इस कवायद में सिर्फ बूथ स्तर के नेता है। इसमें जिलास्तर के नेता भी गलियों का भ्रमण करते देखे जा रहे है। सत्ताधारी दल का लाभार्थी अभियान भी इसी जनसंपर्क कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा दिखाई दिया। वहीं, सपा के लोग भी अपने नेता द्वारा किए जा रहे वादों से लुभाने के लिए घरों तक पहुंच रहे है। बसपा भी डिजिटल से अधिक जमीन पर जोर देती दिखाई दे रही है।

जापान से आए धर्मगुरु ने सम्राट अशोक के शिलालेख स्थल का किया अवलोकन

अहरौरा (मीरजापुर) । खास डीह स्थित मां भंडारी देवी के पहाड़ पर सम्राट अशोक के शिलालेख का जापान से आए धम्मगुरु जुन्सेई तारासोवा ने शनिवार को अवलोकन किया। उन्होंने सम्राट अशोक द्वारा ब्राम्ही लिपि में पत्थर पर खोदकर उकेरे हुए संदेश को पढ़ा। भंडारी देवी के पहाड़ पर सम्राट अशोक द्वारा उकेरे गए संदेश पर्यटन विभाग ओर से ब्राम्ही लिपि में बोर्ड पर लिखा गया है। साथ में लोगों को आसानी से उनके लिखे हुए संदेश समझ में आ जाए, उसका हिदी रूपांतरण भी किया गया है। धम्मगुरु जुन्सेई तारासोवा ने बताया कि सम्राट अशोक ने शिलालेख में निषेधात्मक नीतियों में संसारिक मनोविनोद, पशुबलि, आत्म संयम, मन की शुद्धता, धार्मिक विषयों पर आपसी सामंजस्य का उद्बोधन किया है। कहा कि शिलालेख इस का प्रमाण देते है कि सम्राट अशोक द्वारा प्रतिपादित यह केवल उपदेश नहीं रहे। इन्हें व्यवहार में भी उपयोग किया गया है। इस कारण सम्राट अशोक की गणना दुनिया के महान शासकों में की जाती है। भगवान बुद्ध के संदेशों ने दुनिया का बहुत कल्याण किया है।

ट्रक पर लदे बांस में फंसा विद्युत तार, हाईमास्ट पोल धराशाई

चुनार (मीरजापुर) । नरायनपुर पुलिस चौकी अंतर्गत पटेल त्रिराहे के पास ट्रक पर लदे

बांस में विद्युत तार फंसने से हाईमास्ट का पोल टूटकर गिर गया। घटना रविवार भोर तीन बजे की है। विद्युत तार के टूटने से बाजार की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। बताया गया कि ट्रक अत्यधिक ऊंचाई पर सामान लादकर धड़ल्ले से चल रहे हैं। इससे अक्सर तार टूटकर गिरते रहते है। प्रत्यक्षदर्शी पान विक्रेता लक्ष्मण चौरसिया ने बताया कि भोर में लगभग तीन बजे एक ट्रक पर काफी ऊंचाई तक कटे हुए बांस लदे हुए थे। चालक तेज गति से वाहन लेकर आ रहा था। इससे ऊपर लदे बांस में विद्युत तार फंस गया। बावजूद इसके चालक ट्रक को भगाने लगा। इससे पटेल त्रिराहे पर लगा हाईमास्ट पोल टूटकर पटेल प्रतिमा के छाजन पर गिर गया। घटना के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। वहीं विद्युत तार टूटने से विद्युत आपूर्ति काफी देर तक बाधित रही। मामला विभागीय अधिकारियों के संज्ञान में है।

संदिग्ध परिस्थितियों में घायल युवक की वाराणसी में मौत

रेणुकूट (सोनभद्र)। स्थानीय नगर के रेलवे स्टेशन के समीप गुरुवार की देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में मिले युवक की वाराणसी में उपचार के दौरान शनिवार की देर रात मौत हो गई। पिपरी नगर पंचायत कार्यालय के समीप साइकिल की दुकान चलाने वाले सत्येंद्र विश्वकर्मा (35) पुत्र रामऔतार विश्वकर्मा गुरुवार की रात लगभग दस बजे रेलवे स्टेशन के आगे धरिकार मोहल्ला के समीप संदिग्ध परिस्थितियों में घायल पडे था। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे स्वजन ने उसे हिडाल्को चिकित्सालय में दाखिल कराया। जहां से चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर बताकर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। स्वजन घायल को लेकर रात में ही जिला अस्पताल चले गए। वहां से भी चिकित्सकों ने उसे वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। शनिवार को वाराणसी पहुंचने पर बीएचयू स्थित ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान सत्येंद्र की मौत हो गई। सत्येंद्र की रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मौत से लोग सकते में हैं। उधर प्रभारी निरीक्षक पिपरी अजय सिंह ने कहा कि अभी किसी के मौत की सूचना नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

धान खरीद में हो रही परेशानी को लेकर भाकियू ने किया प्रदर्शन

चुनार (मीरजापुर) । भारतीय किसान यूनियन ने जिलाध्यक्ष कंचन सिंह फौजी के नेतृत्व में धान खरीद में हो रही परेशानी के निराकरण की मांग को लेकर तहसील मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। साथ ही तहसीलदार अरुण कुमार गिरि के माध्यम से मुख्यमंत्री को चार सूत्रीय मांग पत्र भेजा। किसानों का कहना था कि धान खरीद के नियमों में हो रहे लगातार बदलाव के कारण किसानों का हित प्रभावित हो रहा है। के आदेश के बावजूद मात्र दो सौ क्विंटल धान खरीद की जा रही है। यही नहीं, केंद्र प्रभारियों द्वारा एक किसान से मात्र 60 क्विंटल ही धान की खरीद की जा रही है। पत्र के माध्यम से धान खरीद 31 मार्च तक बढ़ाए जाने, एक कांटे पर तीन सौ क्विंटल धान खरीद सुनिश्चित कराने, जो किसान पंजीकरण के बाद अपना नंबर लगा चुके हैं ।

कन्हईपुर का एएनएम सेंटर बदहाल, लापरवाही का शिकार

पटेहरा (मीरजापुर) । पीएचसी पटेहरा से संबद्ध कन्हईपुर एएनएम सेंटर की हालत कई साल से दयनीय है। इसमें ठहरना तो दूर बैठने लायक भी नहीं रह गया है। जान जोखिम में डालकर प्रसव व टीकाकरण का कार्य किया जाता है। क्षेत्र के लोगों के अलावा ग्राम प्रधान ने नवनिर्माण कराने की मांग की, लेकिन आज तक विभागीय स्तर से लापरवाही बरती जा रही है। लोगों में भय है कि अगर समय रहते भवन निर्माण नहीं कराया गया तो कभी बड़ा हादसा हो सकता है। क्षेत्र के लोगों ने बताया कि शासन द्वारा सभी जनउपयोगी टीकाकरण किसी तरह से कराया जाता है। प्रसव के लिए क्षेत्रवासियों को सुदूर पटेहरा पीएचसी पर ले जाने की मजबूरी हो गई है। सेंटर

का फर्श, दीवार, दरवाजा, शौचालय की दशा वर्षो से खराब है। जबकि स्वास्थ्य विभाग द्वारा हर वित्तीय वर्ष में 15 हजार की धनराशि खाते में बराबर भेजी जाती है। कन्हईपुर का एएनएम सेंटर बदहाली पर आंसू बहा रहा है। इस सेंटर से कन्हईपुर, बोदा कला, बोदा खुर्द, रामपुर अंतरी, अंतरी दक्षिण, चाल्हा, परसिया, रैकल, गेरुआही, तुलसीपुर, नीमडीह के राजस्व ग्रामों के टीकाकरण व प्रसव एएनएम नीतू वर्मा द्वारा किया जाता है। प्रधान शांती देवी ने एएनएम सेंटर को ध्वस्त कर नवनिर्माण कराने की मांग की गई, लेकिन अभी तक कोई सूथ नहीं ली गई। कन्हईपुर का एएनएम सेंटर ध्वस्त होने लायक हो गया है। कागजी कार्रवाई की गई है। शासन की ओर से हर वर्ष भेजी गई धनराशि सुरक्षित है। उसमें प्रतिबंध है एक वर्ष में केवल दस हजार ही निकालने की अनुमति ही है। इससे निर्माण संभव नहीं है।

बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर फेरा पानी, आढ़तिया मालामाल

सीखड़ (मीरजापुर) । पिछले दिनों हुई बारिश ने क्षेत्र में टमाटर की फसल को नुकसान पहुंचाया है। बारिश के कारण खेतों में आई नमी से टमाटर की फलियां सड़ना शुरू हो गई है। अभी मौसम का मिजाज दुरुस्त होने के कोई आसार न देख टमाटर की खेती करने वाले किसान मायूस है। एक जनपद-एक उत्पाद के तहत चयनित टमाटर की खेती क्षेत्र में बड़े पैमाने पर की जाती है। अपने बलबूते बिना किसी सरकारी सहायता के टमाटर की खेती करने वाले किसानों को इस वर्ष नर्सरी डालने के समय से ही दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। नर्सरी डालने के बाद ही आई बाढ़ के कारण ज्यादातर

पौध बर्बाद हो गए। नर्सरी बचाने की तमाम जद्दोजहद के बाद 80 फीसद नर्सरी बर्बाद हो गई। उसके बाद फिर से नर्सरी तैयार की गई। खेतों में रोपाई के बाद बारिश की कमी के कारण किसानों ने फसल बचाने के लिए सिचाई की। जब फलियों के निकलने की बारी आई तो उत्पादन की कम कीमत के रूप में किसानों को खामियाजा भुगतना पड़ा। जब फलियों का उत्पादन अपनी राह पकड़ना शुरू किया तो बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। राजाराम, नौलखा निषाद, कलंदर निषाद, दशरथ आदि किसानों ने कहा कि फलियों को बचाने के लिए कीचड़ भरे खेतों में कच्ची-पक्की जैसे भी है, तोड़कर औने-पौने दाम में बेचने को विवश है। इसका लाभ आढतियां उठा रहे हैं। टमाटर की खेती को एक जनपद-एक उत्पाद के अंतर्गत चयनित तो कर दिया गया, लेकिन टमाटर की खेती को बढ़ावा देने, सुरक्षा करने, बाजार उपलब्ध कराने, सही कीमत दिलाने आदि के लिए शासन की कोई योजना जमीनी स्तर पर अब तक नहीं दिखाई दी। इसके सहारे परिवार का खर्च चलता है, लेकिन बारिश ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

रोहित शर्मा ने फुल टाइम कप्तान के तौर पर पहले ही वनडे में कोहली के यह दो रिकार्ड ध्वस्त किए

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने वनडे में फुलटाइम कप्तान के तौर पर टीम इंडिया की जिम्मेदारी संभालने से पहले 10 मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की थी। जब वो वनडे कप्तान बने उसके बाद उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी वनडे कप्तानी का डेब्यू किया और ओवरआल भारत की तरफ से उन्होंने 11वें वनडे मैच में टीम की कप्तानी की। इस मैच में रोहित शर्मा ने अच्छी बल्लेबाजी भी की और मैच में भी जीत दर्ज की। इस मैच में बनाए स्कोर और जीत की वजह से उन्होंने दो बेहतरीन रिकार्ड अपने नाम किए और विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। रोहित फुलटाइम वनडे कप्तान बनने के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में कप्तानी की जबकि ओवरआल ये बतौर वनडे कप्तान उनका 11वां मैच था। इस मैच में उन्हें जीत मिली और इस जीत के साथ उन्होंने विराट कोहली का रिकार्ड भी तोड़ा। भारत के लिए बतौर वनडे कप्तान पहले 11 मैचों में रोहित शर्मा को 9वे मैच में जीत मिली और वो कोहली से आगे निकल गए। इससे पहले कोहली ने बतौर वनडे कप्तान पहले 11 मैचों में से 8 मैचों में जीत दर्ज की थी। रोहित शर्मा ने भारत की तरफ से वनडे कप्तान के रूप में पहले 11 मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकार्ड अपने नाम किया। दर्ज था। रोहित शर्मा ने वनडे कप्तान के तौर पर अपने पहले 11 मैचों में कुल 603 रन बनाए हैं तो वहीं विराट कोहली ने कप्तान के तौर पर पहले 11 वनडे मैचों में 592 रन बनाए थे। ओवरआल बात करें तो वनडे कप्तान के तौर पर पहले 11 मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पहले नंबर पर जार्ज बेली हैं जिनके नाम पर 720 रन दर्ज है। पहले 11 वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दुनिया के टाप 7 कप्तान- 720 रन- जार्ज बेली 678 रन- केन विलियमसन 653 रन- अजहर अली 626 रन- बाबर आजम 603 रन- रोहित शर्मा 592 रन- विराट कोहली 586 रन- एलन बोर्डर।

लता जी के निधन की खबर से भर आया पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेट का गला, कहा- बोला था बेटा मिलकर जाना, नहीं मिल पाया

नई दिल्ली। भारत के लिए रविवार 6 फरवरी बेहद दुखी करने वाला दिन रहा। हम सबके दिल में बसने वाली स्वर सम्राज्ञी भारत रतन लता मंगेशकर हमारे बीच नहीं रही। पूरी दुनिया में उनके चाहने वालों ने इस खबर को सुनने के बाद अपनी संवेदना जताई। पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने बताया कि कैसे उनकी जब लता जी से बात हुई थी तो उन्होंने कहा थो मुझे मां बुला सकते हो। अख्तर ने अफसोस जताया कि वह उनसे मिल नहीं पाए। उन्होंने कहा, आज बहुत दुखी करने वाली खबर आई, लता जी नहीं रहीं। 2016 में जब मैं हिन्दुस्तान में काम कर रहा था, तब मुझे फोन पर उनसे बात करने का खुश किस्मती नसीब हुई थी। मैंने उनको फोन किया सलाम अर्ज किया और बड़ी खूबसूरत आवाज में उन्होंने जवाब भी दिया। कहा बेटा आप कैसे हो। मैंने कहा मैं ठीक हूं आप ठीक ठाक हैं। उन्होंने कहा बेटा मुझे मां करके बुला लो तो ज्यादा अच्छा रहेगा। मैंने कहा जी मां जी।उन्होंने कहा था मुझे बेटा मैंने आपके मैच बहुत देखे हैं। मैंने आपके और सचिन के मुकाबले देखे हैं। मुझे क्रिकेट का बहुत शौक है और मैं आपको जानती हूं। आपके मैच देखती थी, आप काफी आक्रामक हैं। आप काफी जोर लगाकर खेलते थे आपका गुस्सा काफी मशहूर है। मैंने कहा, मां जी मैं आपके मिलने आना चाहता हूं और ये मौका मैं गंवाना नहीं चाहता। मुंबई में हूं तो मां जी आपके पास आना चाहता हूं, मिलना चाहता हूं। उन्होंने कहा था बेटा जरूर आना मुझे तुमसे मिलकर काफी बातें करनी हैं। उन्होंने कहा था हमारे अभी नवरात्रे चल रहे हैं 9 दिन की पूजा कर रही हूं इसके बाद आए तो अच्छा होगा। मैंने कहा नवरात्र तक तो मैं चला जाउंगा फिर जब वापस आया तो मिलकर जाऊंगा। उन्होंने कहा था बेटा जाना नहीं मिलकर ही जाना। मैंने कहा था मां जी मुलाकात होगी पक्का। उन्होंने मुझसे पूछा आपको मेरा घर पता है। है, पूरी दुनिया को पता है। मैंने कहा था मैं आ जाउंगा। मैं समझा था अपनी मुलाकात हो जाएगी लेकिन इस बीच भारत और पाकिस्तान के रिश्ते बिगड़ गए फिर भारत जाना नहीं हो पाया।

IPL 2022: अहमदाबाद की टीम का आधिकारिक नाम आया सामने, इस नाम से खेलने उतरेगी टीम

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में कुल 10 टीमों को हिस्सा लेना है। पिछले सीजन तक 8 टीमों ही टूर्नामेंट में खेलती थी। नए सीजन के लिए दो नई टीमें लखनऊ और अहमदाबाद को शामिल किया गया। लखनऊ ने काफी पहले अपने नाम और लोगो को आधिकारिक कर दिया। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद ने भी टीम के नाम को फाइनल कर दिया है। आइपीएल 2022 के शामिल हुई नई टीम अहमदाबाद ने अपने नाम को तय कर लिया है। जानकारी के मुताबिक इस टीम को टूर्नामेंट में अहमदाबाद टाइटंस के नाम के उतारा जाएगा। टीम का लोगो अभी तय नहीं हुआ है लेकिन नाम के सामने आने की खबर है। इस फ्रेंचाइजी टीम की कप्तानी आलराउंडर हार्दिक पांड्या करेंगे। इसके अलावा दिग्गज अफगानिस्तानी स्पिनर राशिद खान और शुभमन गिल को भी टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने पिछले साल 25 अक्टूबर को आईपीएल नए सीजन में खेलने वाली दो नई टीमों के नाम की घोषणा की थी। लखनऊ वेंचर्स लिमिटेड ने 7090 करोड़ रुपये जबकि अहमदाबाद को कैपिटल ने 5625 करोड़ रुपये में खरीदा था। आइपीएल में शामिल हो रही लखनऊ की टीम ने केएल राहुल (17 करोड़ में हुआ करार) को अपना कप्तान चुना जबकि हार्दिक (15 करोड़ की रकम मिलेगी) को अहमदाबाद ने लिया। इसके अलावा लखनऊ की टीम ने रवि बिशनेई को 4 करोडट जबकि मार्कस स्टोइनिस 9.2 करोड़ देकर टीम में शामिल किया गया। अहमदाबाद टीम में राशिद खान (15 करोड़) और शुभमन (8करोड़) को शामिल किया गया।

सूर्यकुमार को स्लेज करते हुए पोलार्ड ने किया था चैलेंज, दम है तो यह शाट खेलकर दिखा पर हुआ कुछ ऐसा

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला रविवार को खेला गया जिसमें भारत को 4 विकेट से जीत मिली थी। इस मैच की दूसरी पारी के दौरान जब सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी कर रहे थे तब कैरेबियाई कप्तान किरोन पोलार्ड ने उन्हें स्लेज किया था। इस घटना का जिक्र खुद सूर्यकुमार यादव ने किया और बताया कि आखिर पोलार्ड ने उन्हें क्या कहा था और इसका जवाब उन्होंने किस तरह से दिया। सूर्यकुमार यादव ने बताया कि जब वो और दीपक हुडा बल्लेबाजी रहे थे तब किरोन पोलार्ड ने उनके कहा कि वो अपना फेमस फ्लिक शाट क्यों नहीं खेल रहे हैं जबकि फील्ड पूरी तरह से ओपन है। स्टार स्पोर्ट्स के साथ बात करते हुए सूर्यकुमार यादव ने कहा कि पोलार्ड ने मुझे कुछ बातें कही। उन्होंने मुझसे कहा कि मिड विकेट पर कोई फील्डर नहीं है ऐसे में आइपीएल की तरह से वो यहां भी फ्लिक शाट क्यों नहीं लगा रहे हैं। सूर्यकुमार ने बताया कि अहमदाबाद में परिस्थिति थोड़ी अलग थी और मैं अंत तक मैदान पर टिके रहना चाहता था और टीम को जीत दिलाकर ही वापस आना चाहता था। इस वजह से मैंने ये रिस्क नहीं लिया। सूर्यकुमार यादव ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मैच में नाबाद 34 रन की पारी खेली और दीपक हुडा के साथ 62 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत दिला दी। दीपक हुडा ने भी इस मैच में 26 रन की नाबाद पारी खेली थी। वहीं दीपक हुडा के साथ साझेदारी और गेम प्लान के बारे में बात करते हुए सूर्यकुमार ने कहा कि मुझे लगता है कि सब कुछ पूरी तरह से साफ था। मैंने दीपक हुडा से कुछ नहीं कहा। वो पिछले सात साल से घरेलू क्रिकेट में खेल रहे हैं और अहम ये था कि अंत तक मैदान पर टिकना है और उनका आत्मविश्वास सही था। मुझे उनकी ये बात काफी पसंद आई। मुझे लगता है कि ट्रैक लगभग वैसा ही था जैसा कि दोपहर में था, लेकिन ओस के कारण रन का पीछा करना आसान हो गया था।

ऐतिहासिक 1000वें वनडे में जीत के बाद गावस्कर ने रोहित शर्मा की कप्तानी को रेट किया, 10 में दिए इतने नंबर

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने भारत के फुलटाइम वनडे कप्तान के रूप में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला वनडे मैच खेला और 4 विकेट से मैच में जीत दर्ज की। रोहित की कप्तानी को लेकर सुनील गावस्कर का मानना है कि पोलार्ड की टीम के खिलाफ अपने वनडे मैच की डेब्यू कप्तानी में वो पूरी तरह से फ्लोलेस दिखे। भारतीय टीम ने ऐतिहासिक 1000वें वनडे मैच में आराम से जीत दर्ज की और इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा ने अच्छी पारी खेली। रोहित शर्मा ने इस मैच में 60 रन बनाए और टीम को अच्छी शुरुआत देने में मदद की। रोहित शर्मा की कप्तानी के बारे में बात करते हुए गावस्कर ने कहा कि अपने फुलटाइम वनडे कप्तान के रूप में रोहित शर्मा ने एक परफेक्ट शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि रोहित इसी तरह की सही शुरुआत चाहते थे। इससे पहले भी उन्होंने सिक्का इस तरह उछाला कि पोलार्ड ने इसे गलत बताया। इसलिए आपको याद रखना चाहिए कि शुरुआत से ही उन्होंने इसे सही किया। इसलिए इस तरह की जीत के साथ, यह हमेशा एक अच्छी शुरुआत होती है। वहीं उन्होंने इस मैच में अच्छा स्कोर करके टीम की जीत में योगदान दिया और यही होती है बल्लेबाजी। गावस्कर ने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में रोहित शर्मा ने सही वक्त पर गेंदबाजी में बदलाव किए तो वहीं फील्डिंग भी उसी तरह से सेट की। उन्होंने इस मैच में सबकुछ काफी अच्छे तरीके से किया। अगर आप मुझे रोहित को उनकी कप्तानी के लिए अगर 10 में से कितने अंक देने के लिए कहेंगे तो मैं उन्हें 9.99 अंक दूंगा। आपको बता दें कि रोहित शर्मा ने इस मैच में 51 गेंदों पर 60 रन की पारी खेली और वनडे क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ते हुए दूसरे नंबर पर पहुंच गए।

पूर्व भारतीय दिग्गज ने किया विराट कोहली की कमजोरी का खुलासा, बताया किस गेंद पर हो रहे आउट

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे के पहले मुकाबले में दमदार जीत हासिल की। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में 6 विकेट की जीत के साथ भारत को 1-0 की बढ़त हासिल हुई। इस मैच में पहली बार फुलटाइम कप्तान के तौर पर उतरे रोहित शर्मा ने शानदार हाफ सेंचुरी जमाई जबकि पूर्व कप्तान विराट कोहली महज 8 रन बना पाए। पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर ने कहा अब सबको विराट की कमजोरी का पता चल चुका है। उनको संभलने की जरूरत है। गावस्कर ने कहा, मैं समझता हूं कि साउथ अफ्रीका के गेंदबाजों ने भी विराट को खिलाफ ऐसा ही कुछ किया था वनडे क्रिकेट में। हां टेस्ट में इतना नहीं किया लेकिन उनके खिलाफ बाउंस कराने का प्रयास किया जा रहा था। ऐसा इस लिए क्योंकि वह एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो गेंद को ज्यादा छोड़ते या रोकते नहीं हैं। उनको हुक शाट खेलना पसंद है, और ये वो चीज है जिसपर आप पूरी तरह से नियंत्रण नहीं कर सकते हैं। पहले वनडे में वेस्टइंडीज की टीम भारत की शानदार गेंदबाजी के आगे 43.5 ओवर में 176 रन पर आल आउट हो गई। जवाब में भारत ने महज 28 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान रोहित शर्मा ने 51 गेंद पर 60 रन बनाए जबकि सूर्यकुमार यादव ने नाबाद 34 रन की पारी खेली। सीरीज का दूसरा मैच 11 फरवरी को खेला जाना है। इस मौके पर भी वह इसे पूरी तरह से अच्छे से नहीं रख पाए। उन्होंने एक ऐसी गेंद को चुना जो बाउंस कर रही थी, बल्कि वो गेंद थोड़ी ज्यादा ही बाउंस कर रही थी जितनी उन्होंने उम्मीद की इसी वजह से इस उतने अच्छे से बल्ले के बीच नहीं रख पाए। इसने बल्ले का किनारा लिए और कैच लपक लिया गया। इस वजह से अब मुझे ऐसा लगता है कि आगे आने वाले मुकाबलों में उनको इसी तरह से और ज्यादा गेंद का सामना करने के लि तैयार हो जाना चाहिए।

भारत के 1000वें वनडे के बाद इस पूर्व गेंदबाज ने चुनी आल टाइम वनडे रोहित शर्मा को किया बाहर

नई दिल्ली। भारत ने अपना 1000वां वनडे मुकाबला वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को खेला। भारत वनडे इतिहास की पहले ऐसी टीम बन गई जिसने 1000 वनडे मैच खेले हैं। भारतीय टीम के इस ऐतिहासिक वनडे मैच के बाद पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने अपनी फेवरेट वनडे टीम का चयन किया। इस टीम में उन्होंने रोहित शर्मा को जगह दी तो वहीं उन्होंने मौजूदा टीम के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी टीम में शामिल नहीं किया। प्रसाद ने अपनी वनडे टीम में बतौर ओपनर बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग और सचिन तेंदुलकर का चयन किया जो कभी दुनिया के सबसे खतरनाक ओपनिंग जोड़ी के रूप में जाने जाते थे। वहीं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए प्रसाद ने अपनी टीम में विराट कोहली को जगह दी। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उन्होंने पूर्व कप्तान मो. अजरुद्दीन का चयन किया। वहीं पांचवें नंबर पर उन्होंने युवराज सिंह को जगह दी जो गेंदबाजी भी करते थे। टीम में बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज उन्होंने एम एस धौनी को रखा जो छठे क्रम पर बल्लेबाजी भी करते थे। वेंकटेश प्रसाद ने इस टीम में भारत के लिए पहला वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाले पूर्व कप्तान कपिल देव को भी जगह दी जो बेहतरीन तेज गेंदबाज के साथ-साथ अच्छी बल्लेबाजी भी करते थे। इसके बाद उन्होंने स्पिनर के तौर पर टीम में अनिल कुंबले और हरभजन सिंह को शामिल किया। इनके बाद दो तेज गेंदबाज के रूप में प्रसाद ने जवागल श्रीनाथ और जहीर खान को टीम में जगह दी। ये दोनों अपने वक्त में भारत के बेहतरीन तेज गेंदबाज माने जाते थे। वेंकटेश प्रसाद ने जिस टीम का चयन किया वो काफी संतुलित नजर आता हैं उनके द्वारा नहीं शामिल किया जाना चौंकाता है।

धर्मशाला की यात्रा और पिता के 'छात्र' युवराज सिंह के प्रभाव से क्रिकेटर बने राज बावा

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ अंडर-19 विश्व कप फाइनल में भारत की चार विकेट से जीत के हीरो रहे राज बावा 13 साल की उम्र तक सामान्य जीवन जी रहे थे। वह स्कूल में अच्छे अंक प्राप्ते कर रहे थे और उन्हें भांगड़ा करना पसंद था। उसी समय धर्मशाल में एक अंतरराष्ट्रीय मैच का आयोजन हुआ और डीएवी चंडीगढ़ के क्रिकेट कोच सुखविंदर सिंह बावा ने अपने किशोर बेटे को वह मैच दिखाने के लिए ले जाने का फैसला किया। वह मैच राज में बदलाव लेकर आया और पिता के रूप में सुखविंदर ने भांप लिया कि उनके बेटे ने क्रिकेटर बनने की ओर पहला कदम बढ़ा दिया। इसका नतीजा सभी के सामने है। सुखविंदर ने कहा, 'उसने 11 या 12 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया। इससे पहले उसकी इसमें कोई रुचि नहीं थी। उसे टीवी पर पंजाबी गाने सुनना और नाचना पसंद था। वह मेरे साथ दौरे पर धर्मशाला गया और उसने कई कड़े मुकाबले देखे। इसके बाद उसने टीम बैठक में मेरे साथ जाना शुरू किया और वहां से उसकी क्रिकेट में रुचि जागी। इसके बाद उसने गंभीरता से खेलना शुरू किया।' राज ने फाइनल में 31 रन पर पांच विकेट चटकाने के अलावा 54 गेंद में 35 रन की उपयोगी पारी भी खेली। उनके पिता तरलोचन सिंह बावा ने बलबीर सिंह सीनियर, लेस्ली क्लाडियस और केशव दत्त जैसे दिग्गजों के साथ खेलते हुए 1948 लंदन खेलों के दौरान स्वतंत्र भारत का पहला ओलिंपिक हाकी स्वर्ण पदक जीता था।

राशिफल

मेष-: आज आपके कई काम समय पर पूरे होंगे. कुछ नया करने की कोशिश करने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। तनाव खत्म होने से आपके काम की गति में वृद्धि होगी। वाहन सुख मिल सकता है।

वृष-: चिंता के विचार आपकी खुशियों को बर्बाद कर सकते हैं. ऐसा न होने दें, क्योंकि उनमें अच्छी चीजों को नष्ट करने और ज्ञान में निराशा के जहरीले बीज बोने की क्षमता है।

मिथुन-: आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सभी पुराने काम आसानी से हो जाएंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। विज्ञान से जुड़े बच्चों को नौकरी के अच्छे प्रस्ताव मिल सकते हैं।

कर्क-: आज आपको पद प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा. राज्य से सम्मान मिलेगा। ऐसे लोगों से बात करने और संपर्क बनाने के लिए अच्छा दिन है जिनसे आप कम ही मिलते हैं।

सिंह-: आज का दिन सामान्य रहेगा. आज आपके सामने कई चुनौतियां भी आएंगी, आप उनका डटकर सामना करेंगे और सफलता प्राप्त होगी। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन सामान्य रहेगा।

कन्या-: गर्भवती माताओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके माध्यम से आपको आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे।

तुला-: आज आपको मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा. कोई शुभ समाचार या बड़ी सफलता का सुख मिल सकता है। अचानक धन लाभ हो सकता है। आपको जल्द ही कुछ अतिरिक्त आय मिलने की संभावना है।

वृश्चिक-: आज आपका चंचल स्वभाव आपके लिए कुछ परेशानी खड़ी कर सकता है. बेहतर होगा कि आप बड़ों की राय सुनें और उनकी बात मानें। यदि आप वाहन खरीदने की योजना बना रहे हैं तो आज का दिन शुभ है।

धनु-: बेहतर जीवन के लिए अपने स्वास्थ्य और व्यक्तित्व को बेहतर बनाने का प्रयास करें. आप अच्छा पैसा कमा सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक रूप से निवेश करें।

मकर-: आज आपके व्यापार स्थल पर काम का बोझ बढ़ेगा. व्यापार में लाभ की संभावना है। आपके घरेलू जीवन में अशांति का माहौल देखा जा सकता है।

कुंभ-: आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सभी पुराने काम आसानी से हो जाएंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। विज्ञान से जुड़े बच्चों को नौकरी के अच्छे प्रस्ताव मिल सकते हैं।

मीन-: आज आप खुद को ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे. आप जो भी काम करेंगे, वह समय से पहले ही पूरा हो जाएगा। इस राशि के इंजीनियर अपने अनुभव का सही दिशा में उपयोग करेंगे।

सम्पादकीय

खोखले चिंतन में जकड़े राहुल गांधी, कांग्रेस के लिए घातक सिद्ध होता शीर्ष नेतृत्व का शुतुरमुर्ग सरीखा रवैया

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान लोकसभा में राहुल गांधी ने जो कुछ कहा, उससे फिर यही सिद्ध हुआ कि वह पूरी तरह वामपंथी सोच से ग्रस्त हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को घेरने की कोशिश में उन्होंने दो तरह के भारत होने यानी अमीरों और गरीबों की खाई का रोना रोया। उन्होंने मोदी सरकार पर कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों के लिए काम करने का अपना आरोप दोहराते हुए यह भी कह दिया कि कूटनीति के मामले में मोदी सरकार पूरी तरह विफल है। उन्होंने चीन के अतिक्रमणकारी रवैये का दोष भी मोदी सरकार पर मढ़ दिया। राहुल या तो इस तथ्य से अनजान हैं या फिर जानबूझकर उसकी अनदेखी कर रहे हैं कि विकसित देशों और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं तक में आबादी का एक छोटा सा हिस्सा ही अमीर होता है। इसमें भारत भी कोई अपवाद नहीं। अंग्रेजों के शासन में भी यह बात जितनी सही थी, काफी कुछ उतनी ही आज भी है। हां, इतना अंतर अवश्य आया है कि आजादी के बाद देश में जहां चार-पांच घरानों के पास ही अरबों की संपदा हुआ करती थी, वहीं आज बड़ी संपति वाले लाखों घराने हैं। राहुल ने स्टार्टअप पर भी कटाक्ष किया, किंतु ऐसा करते हुए वह भूल गए कि यही नए उद्यम तमाम युवाओं को रोजगार दे रहे हैं। अधिकांश स्टार्टअप पहली पीढ़ी के युवा उद्यमियों ने खड़े किए हैं, जिनके पीछे किसी पारिवारिक कारोबारी घराने का सहारा नहीं। देश-विदेश के दिग्गज निवेशकों द्वारा उनके उद्यमों में किया गया निवेश उनकी सफलता की कहानी कहता है। यह ठीक है कि कोविड काल में कुछ कारोबारों का काम प्रभावित हुआ, लेकिन जिस तेजी से अर्थव्यवस्था पटरी पर आई है वह उल्लेखनीय है। इसकी सराहना अनेक आर्थिक विश्लेषकों ने भी की है। इसके बावजूद राहुल और उनकी जैसी सोच वाले लोग नोटबंदी को छोटे उद्यमों की तबाही की वजह बताने में लगे हुए हैं। चूंकि अभी उद्योगीकरण की रफ्तार वैसी नहीं जैसी होनी चाहिए, इसलिए मोदी सरकार ने पिछले दो तीन वर्षों में इसके लिए प्रयास किए हैं कि भारतीय उद्यमी आगे आकर उन उद्योगों में अपना निवेश बढ़ाएं, जो इस समय चीन से पलायन कर रहे हैं। मोदी सरकार लगातार इस पर जोर देती रही है कि सरकार का काम उद्योग चलाना नहीं है। अपने बजट भाषण में निर्मला सीतारमण ने कहा भी कि मोदी सरकार न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन में विश्वास रखती है। इसका आशय यही है कि सरकार की प्राथमिकता उद्योगों के अनुकूल परिवेश निर्मित करने पर है। कोविड महामारी ने भारत में छोटे और मझोले उद्योगों के लिए कई चुनौतियां उत्पन्न की हैं। उन्हें इस चुनौती का सामना करने के लिए कई रियायतें दी गई हैं, लेकिन यह ध्यान रहे कि अकेले रियायतों के दम पर उद्योग फल-फूल नहीं सकते। हमारे उद्यमी यह याद रखें कि मजबूत उद्योग तभी खड़े होते हैं, जब वे उत्पादन, गुणवत्ता, तकनीक और उत्पादकता के मामले में विश्वस्तरीय मानदंडों के अनुरूप हों। दुर्भाग्य से हमारे तमाम उद्योग इस कसौटी पर खरे नहीं उतरते। समस्या यह नहीं कि भारत में बाजार नहीं है, बल्कि यह है कि उसकी आवश्यकता का एक बड़ा हिस्सा आयात से पूरा होता है। ऐसे में कारोबारियों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे मोदी सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रहीं सुविधाओं और अवसरों का लाभ उठाएं और प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत का जो लक्ष्य तय किया है, उसे सही अर्थों में आत्मसात करें। राहुल यह चाहते हैं कि सरकार ही सारे उद्योग चलाए और अधिकतम लोगों को सरकारी नौकरियां दे। यह गुजरे जमाने की वह समाजवादी सोच है, जिसका आज के युग में कोई महत्व नहीं, लेकिन कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में जारी अपने घोषणापत्र में यह वादा किया है कि वह 20 लाख सरकारी नौकरियां देगी। क्या राहुल यह बताएंगे कि जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार थी या आज जिन राज्यों में उसकी अथवा उसके सहयोगी दल शासन में हैं, वहां केवल सरकारी नौकरियों के जरिये बेरोजगारी दूर की जा रही है? जब आर्थिक गतिविधियों में निजी क्षेत्र का योगदान वक्त की जरूरत है, तब राहुल उलटी गंगा बहाने की कोशिश कर रहे हैं।

मौखिक निर्देश पर महाराष्ट्र में फंसती नौकरशाही

एक लोकतांत्रिक देश को ठीक से चलाने के लिए स्वाधीनता प्राप्ति के बाद देश के भाग्य विधाताओं ने काफी सोच-विचार करके ही न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका आदि का गठन किया होगा। इनके चयन और चुनाव की प्रक्रिया तय की गई होगी। गलतियां होने पर उन्हें सुधारने की व्यवस्था भी दी गई होगी। लेकिन आज लोकतंत्र के उक्त तीनों अंगों की जिम्मेदारियां गड्ड-मड्ड होती दिखाई दे रही हैं। वैसे ये गड्ड-मड्ड कई राज्यों में हो रहा है, लेकिन इसका सबसे सटीक उदाहरण इन दिनों महाराष्ट्र में दिख रहा है महाराष्ट्र में तीन दलों की महाविकास आघाड़ी सरकार बनने के बाद से व्यवस्था कम बल्कि दुर्व्यवस्था कुछ ज्यादा खुलकर सामने आ रही है। इससे न केवल सबक लेने की जरूरत है, बल्कि इसमें सुधार के प्रयास भी किए जाने जरूरी हैं। राज्य में इन दिनों किसी न किसी पूर्व या वर्तमान नौकरशाह के ऐसे बयान आ जाते हैं, जिनके कारण राजनीतिक नेतृत्व गंभीर आरोपों में फंसता दिखाई दे रहा है। राज्य सरकार में गृहमंत्री का पद किसी राज्य की कानून व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए बनाया गया है। दुर्भाग्य देखिए, इस राज्य का गृहमंत्री ही इन दिनों कई गंभीर आरोपों में अपने पद से इस्तीफा देकर अब जेल की हवा खा रहा है। पुलिस आयुक्त का पद किसी बड़े महानगर की पुलिस को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए बनाया गया होगा। आज मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त पर ही हफ्तावसूली के कई मामले दर्ज है। राजनीतिक नेतृत्व ने कुछ दशक पहले गंभीर अपराध खत्म करने का शार्टकट ढूंढ़ते हुए ही 'एनकाउंटर स्पेशलिस्टऽ जैसी व्यवस्था को जन्म दिया होगा। आज मुंबई के कई पूर्व 'एनकाउंटर स्पेशलिस्टऽ निर्दोष नागरिकों को मारकर खुद जेल की शोभा बढ़ा रहे हैं।ा ासनिक व्यवस्था में मुख्य सचिव या अतिरिक्त मुख्य सचिव जैसे पदों से बहुत जिम्मेदारी, ईमानदारी और साफगोई की उम्मीद की जाती है। आज इस राज्य के पूर्व मुख्य सचिव ही जांच एजेंसियों के सामने सिर झुकाए यह कबूल करते दिखाई दे रहे हैं कि मुझे मौखिक निर्देश देकर ट्रांसफर-पोस्टिंग के लिए कहा जाता था, और पद में कनिष्ठ होने के कारण मैं मना नहीं कर पाता था। वाकई लाज आने लगी है अपने लोकतंत्र पर ऐसे बयान सुनकर। करीब-करीब ठीक एक साल पहले 2021 के फरवरी महीने में हुए अंटीलिया कांड ने महाराष्ट्र में राजनीतिक नेतृत्व एवं नौकरशाही के बीच चल रही गड्ड-मड्ड की पोल खोलकर रख दी है। कौन उम्मीद कर सकता था कि देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में देश के ही शीर्ष उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के निकट एक विस्फोटक लदा वाहन खड़ा कर दिया जाएगा? वह भी स्काटलैंड यार्ड के बाद सबसे सक्षम पुलिस का तमगा लेकर घूमनेवाली मुंबई पुलिस की ही छत्रछाया में! लेकिन जब इस पूरे मामले की पोल खुली तो पता चला कि यह काम तो खुद पुलिस के अधिकारी ही करवा रहे थे। वही अति कनिष्ठ अधिकारी करवा रहे थे, जिन्हें खुद गृहमंत्री मुंबई के अर्केस्ट्रा बारों एवं रेस्टोरेंटों से हर महीने करोड़ों रुपये वसूली के 'मौखिक निर्देशऽ देते थे। अब पता चल रहा है कि सचिन वाझे नामक इस सहायक पुलिस निरीक्षक स्तर के अधिकारी को फर्जी एनकाउंटर के एक मामले में 16 साल निलंबित रहने के बाद राज्य में उद्धव सरकार आते ही बहाल कर दिया गया था। सभी नियमों को ताक पर रखकर उसकी बहाली करवाने में खुद तत्कालीन गृहमंत्री और मुख्यमंत्री ने रुचि ली थी। उसे जानबूझकर न केवल क्राइम ब्रांच में एक महत्वपूर्ण पोस्टिंग दिलवाई गई, बल्कि कई महत्वपूर्ण मामलों की जांच का जिम्मा भी उसे ही दिया गया, ताकि वह इन मामलों से पैसों की वसूली करके आलाकमान को मालामाल कर सके। खुद अनिल देशमुख ने माना है कि वाझे को महत्वपूर्ण आलाकमान पर ही पलटवार कर दिया। यानी पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह ने खुद को पद से हटाए जाते ही अपने आलाकमान अनिल देशमुख की सारी करतूतें एक पत्र लिखकर सार्वजनिक कर दीं। परिणामस्वरूप अनिल देशमुख को न सिर्फ अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा, बल्कि प्रवर्तन निदेशालय की

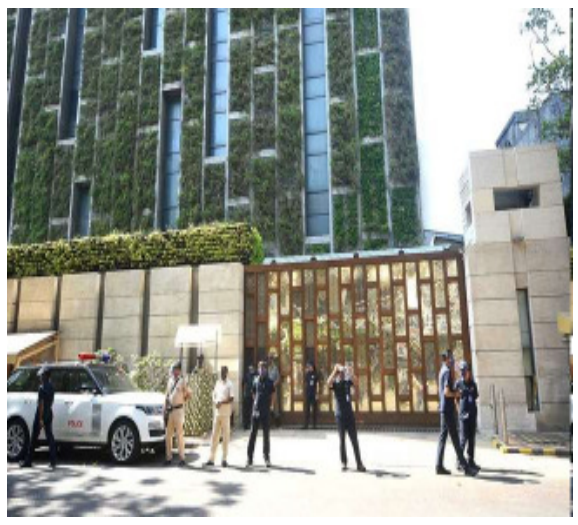

जिम्मेदारियां दिलवाने के लिए शिवसेना की ओर से आदित्य ठाकरे और अनिल परब जैसे मंत्रियों के फोन आते थे। लेकिन आलाकमान का वरदहस्त पाकर मनबढ़ हुए इस अधिकारी ने जब मुकेश अंबानी के घर के बाहर खुद विस्फोटक लदी कार खड़ी करने जैसी बड़ी गलती कर दी, तो आलाकमान को अपनी भी गर्दन फंसती दिखाई देने लगी। तब उन्होंने सारा ठीकरा तत्कालीन पुलिस आयुक्त के सिर फोड़ दिया। हालांकि ऐसा कोई पहली बार नहीं हुआ, जब किसी राजनेता ने अपनी मुसीबत अपने अधीनस्थ नौकरशाह के सिर डाली हो। लेकिन मामला तब उलटा पड़ गया, जब नौकरशाह भी सवा सेर निकला। उसने चुपचाप सबकुछ स्वीकार कर लेने के बजाय जांच में फंसकर जेल भी जाना पड़ा। दूर तक जाती है बात : कहते हैं न कि बात निकलेगी तो दूर तलक जाएगी। सो वही हुआ। मामला 100 करोड़ रुपयों की वसूली वाले भ्रष्टाचार तक ही सीमित नहीं रहा। अनिल देशमुख पर ट्रांसफर-पोस्टिंग में भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे। इस आरोप की शुरुआत भी राज्य में महाविकास आघाड़ी सरकार आने के साथ ही शुरू हो गई थी। यानी सरकार बनते ही ट्रांसफर-पोस्टिंग का खेल शुरू हो गया था। इस मामले की आंच तो सीधे मुख्यमंत्री तक पहुंचती दिखाई दे रही है। क्योंकि सरकार बनने के बाद जब राज्य में उच्च स्तर पर ट्रांसफर-पोस्टिंग का खेल शुरू हुआ तो राज्य खुफिया विभाग की तत्कालीन प्रमुख आइपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला ने इस मामले पर निगाह रखने के लिए तत्कालीन अपर मुख्य सचिव (गृह) से कुछ लोगों के फोन रिकार्ड करने की अनुमति मांगी। तब अपर मुख्य सचिव (गृह) की जिम्मेदारी संभाल रहे वरिष्ठ आइएएस सीताराम कुंटे ने रश्मि शुक्ला को यह अनुमति दे भी दी। कुंटे सैद्धांतिक रूप से दृढ़ आइएएस अधिकारी माने जाते हैं। लेकिन सारे फोन रिकार्ड्स के साथ रश्मि शुक्ला की रिपोर्ट सामने आने के बाद लोगों के पैरों तले की जमीन खिसक गई। क्योंकि राज्य में चल रहे ट्रांसफर-पोस्टिंग रैकेट में सबसे ऊपरी पायदान के लोग भी शामिल थे। इसमें खुद गृहमंत्री के भी शामिल होने के सबूत मिल रहे थे। रश्मि शुक्ला ने अपनी रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव (गृह) के साथ-साथ राज्य के पुलिस महानिदेशक एवं मुख्यमंत्री को भी दी थी। लेकिन इस रिपोर्ट पर उचित कार्रवाई होने के बजाय यह फाइल ही गृहमंत्री के पास पहुंचा दी गई। उसके बाद तो रश्मि शुक्ला की ही खैर नहीं थी। लिहाजा उन्होंने प्रतिनियुक्ति पर महाराष्ट्र के बाहर भागने में ही भलाई समझी। लेकिन यह रिपोर्ट तो सार्वजनिक हो चुकी थी। परम बीर सिंह इसे उच्च न्यायालय को भी सौंप चुके थे। राज्य सरकार को लगने लगा था कि यह मामला भी उछला तो पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के साथ-साथ उनसे ऊपर के भी कई लोग फंसते दिखाई देंगे। लिहाजा सीबीआइ द्वारा की जा रही अनिल देशमुख की जांच के दायरे से ट्रांसफर-पोस्टिंग का मामला हटवाए जाने की भरसक कोशिश राज्य सरकार ने की। लेकिन उच्च न्यायालय ने नहीं माना। उसने इस मामले की जांच भी जारी रखने के निर्देश दे दिए। हालांकि अब तक सीबीआइ द्वारा की जा रही जांच में तो ज्यादा प्रगति नजर नहीं आ रही है। लेकिन ईडी की पूछताछ में अब मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्त हो चुके सीताराम कुंटे ने स्वीकार कर लिया है कि उनके पास गृहमंत्री की ओर से ट्रांसफर-पोस्टिंग के लिए पचिऱ्यां भिजवाई जाती थीं। वे यह पर्ची पुलिस एस्टेब्लिशमेंट बोर्ड (पीएबी) को पढ़कर सुना देते थे और उसके अनुसार ही ट्रांसफर-पोस्टिंग के फैसले हो जाया करते थे। अपने इसी बयान में सीताराम कुंटे ने स्वीकार किया है कि अनिल देशमुख पद एवं हैसियत में उनसे बड़े थे। इसलिए उन्हें उनकी बात माननी पड़ती थी। सीताराम कुंटे जैसे सीधे-सपाट अधिकारी से ऐसी लाचारगी की तो उम्मीद नहीं की जा सकती थी। उन्हें तो पद पर रहते हुए सही को सही और गलत को गलत कहने की हिम्मत जुटानी चाहिए थी। आश्चर्यजनक यह भी है कि महाराष्ट्र के पिछले दो मुख्य सचिव सेवानिवृत्त होने के तुरंत बाद मुख्यमंत्री के सलाहकार जैसे पदों पर नियुक्ति पा चुके हैं। इस प्रकार की नियुक्तियां भी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कोई अच्छे संकेत नहीं देतीं। आज जो स्वीकारोक्ति पूर्व मुख्य सचिव सीताराम कुंटे केंद्रीय जांच एजेंसियों के सामने देते नजर आ रहे हैं, उनके आधार पर उनके कार्यकाल में हुई अनैतिकताओं के लिए खुद उन्हें भी दोषी क्यों नहीं माना जाना चाहिए? या इस बात की संभावनाएं भी कहां कम हैं कि अनिल देशमुख या नेता नगरी का कोई भी सदस्य इस दलदल में अपना आरोप कम करने की गरज से कल अपने सारे आरोप कुंटे जैसे राज्य के सर्वोच्च अधिकारी पर ही न डाल दे। तब कुंटे जैसे मौखिक निर्देश मानने वाले अधिकारी अपना बचाव कैसे करेंगे? तब तो उनके पास भी परमबीर सिंह की तरह इस थाने से उस थाने चक्कर लगाने के सिवा कोई और रास्ता नहीं बचेगा।

मोदी राज में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतर मुखर होती भारत की आवाज

भारत इस समय स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव मना रहा है। इस अमृत काल में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सामना एक नए भारत से हो रहा है। एक ऐसे आत्मनिर्भर भारत से, जिसे न तो पाखंड पसंद है और न ही दोहरे मापदंड। यह नया भारत दशकों से पार्श्व में पड़े प्रश्नों के स्पष्ट उत्तरों की मांग करता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को हाल में तब इसका अहसास हुआ होगा जब संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि-राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने धर्म एवं लोकतंत्र के संदर्भ में कई देशों के रवैये को चुनौती दी। इंटरनेशनल काउंटर टेररिज्म कांफ्रेंस में उन्होंने अन्य देशों के समक्ष तीन प्रश्न दागे। पहला यह कि वे इस्लामोफोबिया, क्रिश्चियनोफोबिया जैसे अब्राहमिक पंथों पर निशाना बनाने की घटनाओं का तो संज्ञान लेते हैं, किंतु या अन्य धर्मों के खिलाफ प्रलाप पर संयुक्त राष्ट्र ने कभी ध्यान क्यों नहीं दिया? दूसरा यह कि यदि वामपंथ बहुत ही सहज है तो दक्षिणपंथ के साथ असहजता क्यों, वह भी तब जबकि लोकतंत्र के मूल में ही वैचारिक विविधता है और मतदाता ही उनकी नियति निर्धारित करते हैं। तीसरा यह कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय 'आतंकवाद' की परिभाषा को क्यों कमजोर करने पर तुला है? भारत ने किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहले शायद ही कभी ऐसे दो-टूक लहजे में बात की हो। वस्तुतः मोदी से पहले के दौर में तो यह किसी राजनयिक के लिए असंभव था कि वह हिंदू हित की कोई बात कहे। किसी वैचारिक झंझट में पड़ना और दक्षिणपंथ पर भयादोहन का पाखंड

करने वालों का प्रतिकार तो बहुत दूर की बात हो जाती है। खुशी की बात है कि यह रवैया बदला है। भारतीय राजनयिक अब वही भाषा बोल रहे हैं, जो भारतीय विगत 75 वर्षों से सुनना चाहते हैं। उनकी इतनी ही आकांक्षा रही कि भारत क्या है और भारतीय क्या महसूस करते हैं, इसके सशक्त एवं ईमानदार पक्ष को प्रस्तुत किया जाए। इस्लाम और ईसाइयत को लेकर अपने राजनीतिक, धार्मिक और अन्य आग्रहों से जुड़े संयुक्त राष्ट्र के तमाम सदस्य देशों के सदाशय रवैये और उन्हें निशाना बनाए जाने की स्थिति में उनका बचाव जबकि हिंदू, बौद्ध और सिख जैसे भारतीय धरा पर जन्मे धर्मों के विरुद्ध इसी तरह के हमलों को लेकर सदस्य देशों के मौन पर भी तिरुमूर्ति ने सवाल उठाए। उन्होंने धर्म के मामले में संतुलन साधने की जोरदार पैरवी की। हिंदू, बौद्ध और सिख धर्मों के खिलाफ हाल के दौर में जो मुहिम छेड़ी जाती रही है, उसके मुकाबले की आवश्यकता रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि इसी प्रकार हम ऐसे मामलों में संतुलन साध सकते हैं। स्वाभाविक है कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री रहते ही ऐसे मुद्दों को मुखरता से उठाना संभव था। विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन के चेयरमैन एस. गुरुमूर्ति ने कहा कि यह तो बहुत पहले हो जाना चाहिए था, क्योंकि अब्राहमिक मतों द्वारा सैद्धांतिक रूप से सहिष्णु भारतीय धर्मों की छवि खराब करने का एक वैश्विक कुचक्र रचा जा रहा है। गुरुमूर्ति ने कहा कि भारतीय सभ्यता के भू-राजनीतिक बचाव के लिए तिरुमूर्ति बधाई के पात्र हैं। दक्षिणपंथ को लेकर किए जाने वाले प्रलाप पर उन्होंने कहा कि यह समझना महत्वपूर्ण है कि लोकतंत्र में दक्षिणपंथ और वामपंथ राजनीतिक ढांचे का हिस्सा होते हैं और वे मतदाताओं की मर्जी से सत्ता में आते हैं।

दिल्ली के कुछ खास इलाकों में अपराध नियंत्रण में क्यों विफल रही है पुलिस

वक्त हम एक परिकल्पना तो करते ही हैं कि इस 'वृक्षऽ से हमें कैसे और कौन से फल खाने को मिलेंगे। स्वाभाविक है 1947 में जब देश विभाजन के बाद दिल्ली में रिफ्यूजी बसाए गए तो कस्तूरबा नगर की परिकल्पना भी एक सुंदर स्थान के रूप में की गई। जिसका बोध इस स्थान के नाम से भी होता है। इसे अंहिसा के पुजारी की जीवनसंगिनी कस्तूरबा के नाम से सुसज्जित किया गया। जी वही कस्तूरबा नगर जहां गणतंत्र दिवस के दिन एक युवती के साथ अपराध हर शर्मिंदगी और घिनौनेपन की पराकाष्ठा को तार-तार किया गया था। मौन में मिटी मानवीयता : यहां किसी ने यह सवाल सोचा कि यह सब उसी कस्तूरबा नगर में क्यों हुआ जहां पुलिस किसी मामले की जांच को इलाके में जाना चाहे तो मजाल है वहां कदम रख दे? औरतें ही वहां पुलिस वालों को लताड़ कर उलटे पांव फेर देती हैं। लिहाजा पुलिस इस इलाके में जाने से कतराती है। हां, बाहर बेरिकेड लगाकर जरूर अपने आधू-अधूरे दायित्व की क्षतिपूर्ति करती है। आपको याद ही होगा, लगभग ढाई साल पहले भी इसी कस्तूरबा नगर में एएसआइ राजकुमार की हत्या, पुलिस बूथ के पास कर दी गई थी। उस समय भी आसपास के लोग तमाशबीन बने रहे थे। यही मौन उस स्थान पर उस वक्त भी रहा जब एक युवती की इज्जत सरेआम तार-तार हो रही थी। इस मौन से अपराध को तो बल मिलता ही है, मानवीयता भी कितनी अपमानित होती है इसका इल्म उन चुप रहने वालों को भी काश होता। इतिहास में भी यह परिलिक्षित होता रहा है कि पापियों, अपराधियों की उद्दंडता से तो समाज को नुकसान हुआ ही, लेकिन उससे दोगुनी क्षति इस मौन से पहुंची है, पहुंच रही है। इसी तरह की घटनाओं पर या महिलाओं के साथ सड़क पर, सरेआम हो रही छेड़छाड़ पर कोई हस्तक्षेप क्यों नहीं करता, उस अपराध को क्यों नहीं रोकता, इसके लिए बायस्टेंडर बिहेवियर ने एक स्टडी की है। इसमें अधिकतर लोग या तो अपनी सुरक्षा की चिंता की वजह से विरोध नहीं करते या पुलिस के पचड़े में पड़े की वजह से। लेकिन ऐसा सोच रखने वाले निश्चित ही इस कड़वे सच से अनभिज्ञ लगते हैं कि कल ऐसा आपके साथ भी हो सकता है। हां, लोग बाद में संवेदना व्यक्त करने के नाम पर ऐसे मामलों को सांप्रदायिक रंग देने की मंशा से जरूर ऐसे समुदायों के बीच पहुंचते हैं। बहरहाल यहां 'मौनऽ विषय नहीं है। मौन कहां सही है, कहां गलत, उसका जवाब समय देता है। सामने नहीं आए, विरोध नहीं किया, ऐसा पहले होता भी आया है।वैध तस्करी का कारोबार बगैर पुलिस संरक्षण के पनप नहीं सकता तो भला यह कस्तूरबा नगर की शराब तस्करी क्या बला है। दरअसल 1947 में बंटवारे के बाद जब भारत में शरणार्थी आए तो दिल्ली में इन्हें सीमा के आसपास ही बसाया गया था।

समरसतापूर्ण सद्भाव के प्रतीक रामानुजाचार्य

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को 11वीं शताब्दी में सुदूर दक्षिण में जन्मे संत श्री रामानुजाचार्य की विशाल प्रतिमा का अनावरण किया। हैदराबाद में बनी 216 फीट की यह प्रतिमा श्रद्धालुओं के अंतर्मन में रामानुजाचार्य के स्मारणात्मक प्राकट्य का काम करेगी। रामानुजाचार्य की भक्ति संवेदना का सुदीर्घ इतिहास है। इसका मूल आलवार संत-भक्त-कवियों की भक्ति संवेदना में है। आलवारों के द्रविड़ भाषा पद्यों का संकलन 'दिव्यप्रबंधमऽ इसका उद्गम है। वैष्णवों की इस उदार प्राचीनतम परंपरा की सुदृढ़ शास्त्रीय भित्ति के निर्माता हैं रामानुजाचार्य। आश्चर्य है कि भारतीय राजनीति के महासागर में चंद हंस ऐसे हैं, जो रामानुजाचार्य के महत्व को समझते हैं। रामानुज भारतीय परंपरा के मेरुदंड हैं। उनके बिना भारत के अमर इतिहास की चर्चा नहीं की जा सकती। उनका दार्शनिक चिंतन स्वयं में एक संसार है, जिसका आधार समानता है। रामानुजाचार्य का जन्म 1016 ईस्वी में तमिलनाडु के श्रीपेरुंबुदूर में हुआ था। वे संस्कृत और तमिल परंपरा के मिलन बिंदु हैं। उन्होंने समाज में ऊंच-नीच और झोपड़ी-महल के बीच समानता के सेतु बनाए। कठोर धार्मिक क्रियाओं को लोगों के लिए सरल और सहज बनाया। ऐसा करते हुए वे अपने पूरे जीवन काल में तीन मोर्चों पर युद्धरत रहे। अपनी परंपरा और समसामयिक समस्याओं में सेतु बनाना पहला मोर्चा है। ब्रह्मसूत्रों पर 'श्रीभाष्यऽ लिखते वक्त वेदांत को जीवन की जटिलताओं से जोड?ा दूसरा और भक्ति को आम लोगों के लिए ईश्वर प्राप्ति का तरीका बनाना तीसरा मोर्चा है। इस तरह उनका पूरा जीवन युद्धरत दिखाई देता है, जिसका संकेत रामधारी सिंह 'दिनकरऽ ने अपनी पुस्तक 'संस्कृति के चार अध्यायऽ में किया है। वे लिखते हैं, 'सामाजिक समता की दिशा में तत्कालीन ब्राह्मण जहां आचरण धर्मानुकूल बनाए और साथ ही ब्राह्मणत्व के नियंत्रणों की अवहेलना भी नहीं की।ऽ 'पद्मपुराणऽ की मान्यता उन्हें भगवान विष्णु की शैया 'शेषऽ का अवतार बताती है। इसका संकेत चार शताब्दी पहले भक्त चरित्र के सर्वश्रेष्ठ द्रष्टा और गायक नाभादास 1600 ईस्वी के आसपास विरचित 'भक्तमालऽ में किया है। नाभादास ने आचार्य रामानुज के लोकोत्तर व्यक्तित्व और अदम्य कृतित्व को सूत्रात्मक रूप से प्रकट करते हुए लिखा है- कृपणपाल करुणा समुद्र रामानुज सम नहीं बियो। आचार्य रामानुज की सबसे महत्वपूर्ण दार्शनिक स्थापना वह है, जिसमें एकमात्र अद्वैत तत्व स्वीकारते हुए भी जगत को मिथ्या नहीं कहकर उसकी उपेक्षा नहीं की गई। जगत सत्य है, क्योंकि इसका निर्माण उन पंच महाभूतों से मिलकर हुआ है, जो भगवान नारायण के शरीर हैं। आचार्य रामानुज ने वैदिक मान्यताओं के आधार पर स्थापित किया कि भगवान लक्ष्मीनारायण संसार के माता-पिता हैं। उनका प्रेम और कृपा पाना उनकी हरेक संतान का धर्म है। उन्होंने केवल शास्त्रीय बातें लिखी ही नहीं, बल्कि स्वयं उनका प्रयोग भी किया। दलित भक्त मारीनेरनंबी की उपासना को अनुकरणीय बताकर उन्हें अपने संप्रदाय में आदर्श के रूप में स्थापित किया। मुस्लिम कन्या तुलुक्क नाच्चियार की लोकोत्तर भक्ति के कारण उनके मंदिर का निर्माण करवाया, जहां आज भी उनकी पूजा होती है। यादवाद्रि के प्रसिद्ध संपत्कुमार मंदिर में दलितों का प्रवेश करवाया। रामानुजाचार्य ने जहां से अपना भक्ति आंदोलन चलाया, वह तमिलनाडु का श्रीरंगम है। यह नाम अपने आप में भक्ति उत्पन्न करता है। साफ है रामानुज की 'भक्तिऽ का तात्पर्य भगवान के गुणगान और नाम स्मरण से है। विद्वानों का मानना है कि रामानुज संप्रदाय के मठ-मंदिरों का फैलाव उत्तर और दक्षिण दोनों में था। आश्चर्य की बात है कि रामानुजाचार्य के उन विशाल मंदिरों में से अनेक लुप्त हो गए हैं। परंपरा दर्शाते इन मंदिरों में अब लोगों के घर हैं, दुकानें हैं। यदि इन्हें पुराने रूप में आबाद करना संभव हो सके तो ये सामाजिक समरसता के नए आंदोलन का रूप ले सकते हैं। महाभारत के बाद भारतीय समाज में हुआ बंटवारा बहुविध है। न केवल सामाजिक, बल्कि शैक्षणिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक स्तर पर कहीं भी समन्वय नहीं दिखता है। बुद्ध के बाद अहिंसा सिद्धांत की प्रतिष्ठा हेतु जीवनोपयोगी हिंसा का भी विरोध होने लगा। आचार्य रामानुज ने संपूर्ण भारतीय संस्कृतियों को जोड़कर वैदिक अद्वैत सिद्धांत को यथावत रखते हुए जिस सर्वसमावेशी मार्ग का उपदेश दिया है, वह नितांत अद्भुत तथा गंभीर है। भारत के इतिहास में सबसे अधिक प्रभावशाली संत रामानुजाचार्य हैं। इनका प्रभाव केवल बौद्धिक या आध्यात्मिक न होकर सामाजिक भी है। समाज के हर चेतनावान प्राणी को दृष्टि देने का अभूतपूर्व जो कार्य आचार्य रामानुज ने किया है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। भारतीय परंपरा में संत तत्व का विशद वर्णन है। योगदर्शन में लिखा है कि व्यक्ति पूर्णतः अहिंसक हो जाए, तो साक्षात विरोधी जीवों में भी अहिंसा की भावना आ जाती है। इसीलिए शाश्वत विरोध वाले बाघ और हिरण एक साथ संतों के आश्रमों में रहते थे, कोई किसी को परेशान नहीं करता था। प्रेम का परिवेश संत बनाते हैं। दुनिया की दूसरी व्यवस्थाओं में उतना दम नहीं है, जितना संतों की व्यवस्था में दम है। इसी व्यवस्था को आचार्य रामानुज ने ईश्वरीय भावना के अनुरूप ढालकर समाज के निर्माण में एक नए युग का सूत्रपात किया था।

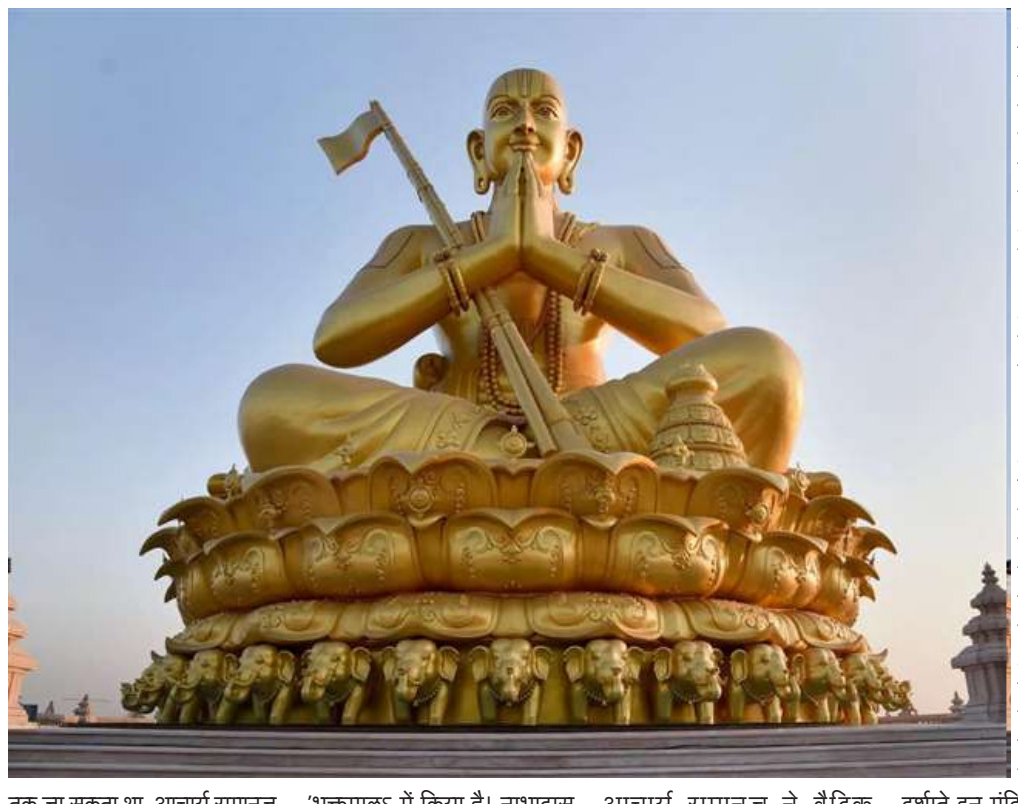

तक जा सकता था, आचार्य रामानुज वहां तक जाकर रुके। उनके संप्रदाय ने लाखों शूद्रों और अंत्यजों को अपने मार्ग में लिया, उन्हें वैष्णव-विश्वास से युक्त किया और उनके

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान प्रायोजित आतंक के साथ कोरोना वायरस से जंग लड़ रही जम्मू कश्मीर पुलिस

जम्मू। दिनेश महाजनः सीमापार से पाकिस्तान द्वारा जम्मू कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ करवा कर चलाए जा रहे परोक्ष युद्ध से निपटने के साथ जम्मू कश्मीर पुलिस महामारी घोषित कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए भी जंग छेड़े हुए है। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए काम कर रही जम्मू कश्मीर पुलिस को इस का खामियाजा भी भुगतना पड़ा है। बीते वर्ष (2021) में जम्मू कश्मीर पुलिस ने अपने 12 कोरोना योद्धाओं को खोया है। इस दौरान प्रदेश भर में 2500 पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को कोरोना का गंभीर संक्रमण होने के चलते प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती करवाना पड़ा था। प्रदेश के कई पुलिस थानों में ऐसी परिस्थितियों भी आई कि थाने का पूरा स्टाफ भी संक्रमित हो गए। इसके बावजूद जिन पुलिस कमियों में गंभीर लक्षण नहीं थे वे थानों में रह कर ही विभाग के कामकाज को अंजाम दे रहे थे।

श्रीनगर : बांडीपोरा में एक मकान आग में जलकर राख, बाल-बाल बचे लोग

श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के जिला बांडीपोरा के चिट्टीबंदी गांव में आधी रात को लगी आग में एक मकान जलकर राख हो गया। गनिमत यह रही कि आगजनी की इस घटना में किसी की जान नहीं गई। समय रहते घर के लोग बाहर निकल आए। इससे पहले की अगिन्शमन दस्ता मौके पर पहुंचता आग ने पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। इस वजह से संपत्ति को काफी नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि चिट्टीबंदी बांदीपोरा के गनई मोहल्ला में रहने वाले खुर्शीद अहमद गनी पुत्र स्वर्गीय गुलाम मोहम्मद के सिंगल स्टोरी हाउस में आज तड़के करीब 03:36 बजे आग रहस्यमय परिस्थितियों में यह आग लगी। इससे पहले की घर वाले सचेत होते और आग पर काबू पाते। आग ने पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। परिवार के सभी सदस्य बड़ी मुश्किल से बाहर निकल आए। उनकी आंखों के सामने पूरा मकान सामान सहित जलकर खाक हो गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आग लगने के कारणों रहा है। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण यह आग लगी है। इलाके में गत 20 जनवरी को आग लगने की घटना में गंभीर रूप से झुलसे 48 वर्षीय एक और घायल ने आज यहां एसएमएचएस अस्पताल में दम तोड़ दिया।

समाजवादी पार्टी और गुंडा गर्दी एक दूसरे पर्यायवाची हैंः श्री जे पी नड्डा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने नोएडा में जनसंपर्क कर भाजपा प्रत्याशी एवं वर्तमान विधायक पंकज सिंह को भारी मतों से विजयी बनाने का आग्रह कियाः भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज उत्तर प्रदेश के नोएडा में जनसम्पर्क किया तथा भाऊराव देवरस विद्यामंदिर सेक्टर 12 में आयोजित प्रभावी मतदाता सम्मेलन को संबोधित किया और उत्तर प्रदेश की जनता से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एक बार पुनः 300 से अधिक सीटों के साथ योगी आदित्यनाथ सरकार बनाने की अपील की। श्री नड्डा ने सर्वप्रथम देशवासियों को वसंत पंचमी की शुभकामनाएं दीं और उत्तर प्रदेश की पावन भूमि को नमन किया। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली योगी आदित्यनाथ सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को समर्पित है। दलितों, पिछड़ों, महिलाओं और युवाओं को समर्पित है। यह सिर्फ विधायक, मंत्री अथवा मुख्यमंत्री बनाने का चुनाव नहीं है बल्कि यह उत्तर प्रदेश की नई कहानी लिखने का अवसर है, सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र पर चलने वाले विकास का चुनाव है। श्री नड्डा ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश की तस्वीर और तकदीर बदलने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने लगभग 45 करोड़ लोगों के लिए बैंकों के दरवाजे खोले जबकि बैंकों का राष्ट्रीयकरण 1971 में हुआ था। 2014 तक देश के केवल लगभग तीन करोड़ लोग ही बैंकिंग से जुड़ पाए थे। कोरोना के दौरान आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने महिला जन-धन खाताधारकों के एकाउंट में तीन किस्तों में 1,500 रुपये पहुंचाए। हमारी सरकार ने

देश के गाँव, गरीब, किसान, दलित, पिछड़ों के जीवन में उत्थान लाने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उत्तर प्रदेश में लगभग 42 लाख घर बने हैं, जिसमें गैस कनेक्शन, बिजली, पानी और शौचालय का प्रबंध किया गया है। साथ ही, देश के लगभग 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत का लाभ दिया गया। हमारी सरकार ने विकास को जन-जन तक पहुंचाया है के तहत उत्तर प्रदेश में लगभग 80 लाख घरों में बिजली पहुंचाई गई। कोरोना काल में देश के हर नागरिक के दो वक्त की रोटी की चिंता करते हुए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश के लगभग 80 करोड़ लोगों तक मुफ्त राशन उपलब्ध करा रहे हैं जबकि उत्तर प्रदेश में भी लगभग 15 करोड़ लोग इससे लाभान्वित हुए हैं। माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था विगत पांच वर्षों में 7वें से दूसरे स्थान पर आ गई है, दो एम्स बने है कोर्ट ने तब यह भी कहा था कि दंगा पीड़ितों को मुआवजा देने में भी सपा सरकार की ओर से इस तरह व्यवस्था की गई कि एक धर्म विशेष के लोगों को ही लाभ मिले। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सपा सरकार की लापरवाही के साथ-साथ मुजफरनगर की त्रासदी प्रशासनिक नाकामी भी है। ये सारी बातें इस चीज को दर्शाती है कि किस तरीके से उस समय की अखिलेश यादव सरकार काम करती थी और आज योगी आदित्यनाथ सरकार कैसे काम करती है। श्री नड्डा ने कहा कि मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए अखिलेश यादव ने गोरखपुर में हुए सीरियल बम ब्लास्ट के आरोपी आतंकियों पर से केस हटाने की सिफारिश की थी। उस वक्त अदालत ने केस वापस लेने के लिए अखिलेश यादव सरकार को फटकार भी लगाई थी। इसी तरह रामपुर में हुए सीआरपीएफ कैंप पर हुए हमले के आरोपियों पर से भी केस हटाया था मुख्यमंत्री रहते हुए अखिलेश यादव ने। ये तो अलग बात है कि कोर्ट ने अखिलेश यादव की सिफारिश को अस्वीकार कर दिया और बाद में सुनवाई होने के बाद आतंकियों को सजा-ए-मौत और आजीवन कारावास की सजा हुई। अखिलेश यादव जी, ये केस वापस लेकर आप किसके मददगार हो रहे थे आजम खान के कहने पर मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आतंकियों पर से केस वापस लिया और आतंकियों को बचाने का काम किया। आप तो किसान हो, आप तो चावल के एक दाने से पूरे फसल की गुणवत्ता पहचान लेते हुए, इनकी नीयत को पहचानिए। मुख्यमंत्री संविधान की शपथ लेकर कहते हैं कि मैं संविधान को अक्षुण्ण रखूंगा लेकिन अखिलेश यादव ने क्या किया - उन्होंने मुख्यमंत्री बन कर आतंकियों को बचाया। अखिलेश यादव ने कहा कि सामाजिक सौहार्द्र को बनाए रखने के लिए केस वापस लिया। आखिर, आतंकवादियों को बचाने का यह कैसा सामाजिक सौहार्द्र है उन्हें प्रजातंत्र पर विश्वास नहीं है या उन्होंने प्रजातंत्र के चुनाव में हिस्सा लेकर आतंकियों के लिए काम करना माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सपा की अखिलेश सरकार में भूमि माफिया का राज था। उत्तर प्रदेश की जनता कैराना से पलायन का दंश कैसे भूल सकती है! कैराना से लोग पलायन पर विवश इसलिए हुए क्योंकि अखिलेश यादव की सरकार में भू-माफिया ने गरीबों का जीना मुहाल कर दिया था।पंकज सिंह ने जनमानस से आग्रह करते हुए 10 फरवरी को कमल के फूल का बटन दबाकर उन को विजयी बनाने तथा योगी जी एवं मोदी जी द्वारा आरंभ की गई विकास की गंगा को सतत् प्रवाहित होने के लिए मतदान का आग्रह किया कार्यक्रम में गौतम बुध नगर सांसद डॉ महेश शर्मा, महिला आयोग अध्यक्षा विमला बाथम, राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता नोएडा प्रभारी बसंत त्यागी विधानसभा प्रभारी अशोक मोंगा क्षेत्रीय मंत्री बिजेंद्र नागर अशोक मिश्रा लोकेश कश्यप उमेश त्यागी गणेश जाटव मनीष शर्मा चंदगीराम यादव डिंपल आनंद बबलू यादव रामनिवास यादव कल्लू सिंह तन्मय शंकर चमन अवाना शिवांश श्रीवास्तव अर्पित मिश्रा अनुज प्रधान लोकेश यादव मोहित शर्मा प्रसनजीत नवीन मिश्रा शारदा चतुर्वेदी नीता बाजपेई श्रीमती संतोष सिंह,प्रतिभा पाण्डेय इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज में भारतरत्न लता मंगेशकर जी को दी गई श्रद्धांजलि

प्रयागराज । रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज, राजापुर ,प्रयागराज में स्वर कोकिला, भारतरतन लता मंगेशकर जी को विशेष कार्यक्रम के माध्यम से संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की गई उक्त आयोजन में प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडे के संयोजन एवं विद्यालय के संगीताचार्य मनोज गुप्ता के निर्देशन में विद्यालय के संगीत की छात्र-छात्राओं तथा शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने उनके द्वारा गाए दर्जनों गीतों के माध्यम से उन्हें अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की संगीताचार्य मनोज गुप्ता ने तुम मुझे यूं भुला ना पाओगे, ठलग जा गले कि फिर यह हंसी रात हो ना हो, ऐ मालिक तेरे बंदे हम ऐसे हो हमारे करमठ तथा विद्यालय के छात्र छात्राओं मितुल राय, पूजा मौर्य ,कशिश शुक्ला, आनंदी गुप्ता, अक्षरा ,कशिश पाल, पूजा, सिमरन, आस्था पांडे, अनन्या पांडे, विवेक पाल ,ईशान पांडे ,पीयूष तिवारी ,सर्वेश मिश्रा ने सत्यम शिवम सुंदरम, ऐ मेरे वतन के लोगों सहित कई गीतों की प्रस्तुति से लता जी को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडे ने बताया कि 40 के दशक से 90 के दशक तक संगीत के क्षेत्र में एक छत्र राज करने वाली, 1300 फिल्मों में गीत गाने वाली, 3000 गाने गाकर गिनीज बुक में नाम दर्ज कराने वाली, इंग्लैंड,फ्रांस,रूस,जर्मनी द्वारा पुरस्कृत ,पद्मभूषण, पद्म विभूषण,भारत रतन भारत कोकिला जैसी उपाधियों से सम्मानित 6 विश्वविद्यालय द्वारा मानक पीएचडी की उपाधि धारण करने वाली विश्व की महानतम गायिका थी कार्यक्रम का संचालन दिनेश कुमार शुक्ला ने किया

भाजपा के वरिष्ठ नेता केंद्रीय मंत्री उप-नेता राज्यसभा श्री मुख्तार अब्बास नकवी जी के नेतृत्व में जनाब सरफराज अली सदस्य हज कमेटी उत्तर प्रदेश पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । गौतम बुद्ध नगर मे आज अल्पसंख्यक समाज की जन-चौपाल का कार्यक्रम किया। जिसमें

नकवी जी ने यह कहा कि उत्तर प्रदेश में ठसबकठ (सपा बसपा कांग्रेस) सिद्दीपेट के दशकों की गलती को चुनावी लम्हों में ठसबकठ सिखाने का वक्त है ग्राम हल्द्वानी नोएडा में जन-चौपाल में किसानों, व ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि सबक सिंडिकेट ने पिछले 75 वर्षों में 60 वर्षों से ज्यादा समय अपने शासन में उत्तर प्रदेश के विकास से विश्वासघात किया बेहतरीन राज्यठ को बीमारू राज्यठ बना दिया था श्री नकवी जी ने कहा कि कपट और करप्शन की विरासत और दंगों और दबंगों की सियासत पर मोदी जी और योगी जी के युग ने विराम लगा दिया है ऐसे लोग फिर सबक सिंडिकेट सियासी सवारी पर सवार होकर उत्तर प्रदेश की सुरक्षा समृद्धि सुशासन को बंधक बनाना चाहते हैं मोदी जी योगी जी सरकार ने उत्तर प्रदेश में पिछले 5 वर्षों में कानून व्यवस्था बेहतर सड़क एवं अन्य जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, उद्योग-धंधे, स्वास्थ्य के क्षेत्र में रिकॉर्ड काम किए हैं कोरोना महामारी की चुनौतियों से राज्य मजबूती से लड़ा है करोड़ों लोगों का टीकाकरण हुआ है जहां 2017 से पहले सिर्फ 15 मेडिकल कॉलेज थे वहीं अब इनकी संख्या 59 हो गई है 2017 से पहले राज्य में 2 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे थे वहीं अब 5 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं मेट्रो रेल की सुविधा जो 2017 से पहले सिर्फ 2 शहरों में थी अब वह पांच शहरों में है और 5 अन्य शहरों में मेट्रो रेल का काम जारी है इन विकास कार्यों का समाज के सभी वर्गों का समान लाभ हो रहा है आप सभी से मेरी अपील है कि आने वाले 10 फरवरी को नोएडा के प्रत्याशी श्री पंकज सिंह जी को भारी मतों से वोट देकर उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान दिलाने का कार्य करें इस कार्यक्रम के आयोजक जनाब सरफराज अली जी साथ में पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जनाब इरफान अहमद जी व नोएडा महानगर अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष एहसान खान जी, ग्राम प्रधान जनाब मुरसलीन साहब, जनाब रौनक अली, उस्मान प्रधान जी, अब्दुल हक, सोहेल खान, यूनुस अल्वी, इरफान अहमद ,सिजल खान, सलीम सिद्दीकी, शाहनवाज चौहान, इकरामुद्दीन ,गांव के प्रबुद्ध जन भारी संख्या में शामिल हुए।

सेक्टर 82(पाकेट 7) शिव मंदिर पर श्री राम चरित मानस का अखंड पाठ एवं विशाल भंडारा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर 82 पाकेट 7 के शिव मंदिर पर बसंत पंचमी के

पावन पर्व पर श्री राम चरित मानस का अखंड एवं विशाल भंडारे का सामूहिक आयोजन किया गया । मंदिर के पुजारी पं विनोद मिश्र ने पूरे विधि विधान के साथ श्री राम चरित मानस का अखंड पाठ का समापन कराकर हवन आरती कराया । हवन आरती के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया । भंडारा दोपहर से शुरू होकर शाम तक चलता रहा । इस मौके पर रवीन्द्र कुमार (सिया राम),संजय पाण्डेय,रवि राघव,गोरे लाल,हरि शंकर सिंह,संगम प्रसाद मिश्र,राजेश गुप्ता,अमितेश सिंह,एस के तिवारी,गुरमेल सिंह,उत्तम चंद्रा,रतन भारद्वाज,संजय शुक्ला,दीपक तिवारी,सुभाष शर्मा,अनूप सिंह,अंगद सिंह, रमेश चंद्र शर्मा, हंस मणि शुक्ला,द्वारिका प्रसाद पाण्डेय,के सी झा,मनोज कुमार,रवींद्र कुमार सिंह,संजय मग्गू,राजवीर सिंह,रमेश चंद्र दास आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

भाजपा, कांग्रेस के झूठे वादों में न आए जनताः सुनील चौधरी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सपा नोएडा से गठबंधन के प्रत्याशी सुनील चौधरी ने रविवार को सपा महानगर और ग्रामीण अध्यक्ष महेंद्र यादव की टीम के साथ सेक्टर 8, 9, 10, 11 की झुग्गी, सेक्टर 55, सेक्टर 117, सेक्टर 122, केंद्रीय विहार सेक्टर 82, सेक्टर 37 एबीसीसी सेक्टर 104 गेस्ट हाउस, सेक्टर 10, सेक्टर 50, सेक्टर 53 सेक्टर 119 एल्डिको मंत्रा में जनसंपर्क किया।चुनाव प्रचार की शुरुआत घर-घर जनसंपर्क से की। घर घर जाकर लोगों की समस्याएं सुनी और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने जनता को सपा के संकल्प पत्र से भी रूबरू कराया। जनता से भाजपा, कांग्रेस के झूठे वादों के बहकावे में न आने की अपील की। सपा सरकार बनने पर 64 प्रतिशत मुआवजा, आबादी निस्तारण, कच्ची कॉलोनी, झुग्गी-झोपडी के विकास का मुद्दा हल किया जाएगा। जो जहां है उसे वहीं घर दिया जाएगा। बिल्डर बायर्स के मुद्दों को हल करके फ्लैटों की रजिस्ट्री कराई जाएगी। रेहड़ी-पटरी का मुद्दा हल करके किराया कम किया जाएगा। शहर के पानी की गुणवत्ता खराब है। सरकार बनने पर गंगा जल की आपूर्ति की जाएगी। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जाएगा। पानी, बिजली, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं का हल प्राथमिकता है। एम्स की स्थापना की जाएगी। डिग्री कॉलेज बनाया जाएगा। सपा प्रोग्रेसिव सोच वाली हैं। भाजपा शमसान और कब्रिस्तान की राजनीति करती है। गरीब आदमी

अपनी आवाज उठाए और अपना हक मांगे तो भाजपा नेता को यह नागवार गुजरता है। निर्दोषों के फर्जी एनकाउण्टर की कई घटनाएं घट चुकी हैं। भाजपा ने सिर्फ झूठ बोला है।लोकतांत्रिक व्यवस्था को नेस्तनाबूत किया।महंगाई बढ़ाकर हर वर्ग को परेशान किया। सपा सरकार आने पर जनता से किए गए सभी वादों को पूरा किया जाएगा। साइकिल और हैंडपंप के साथ आने से बीजेपी का दरवाजा बंद हो गया है। सपा सरकार ने गरीब महिलाओं को पेंशन देने का काम किया। इस बार सरकार बनने पर पेंशन की राशि को तीन गुना बढ़ाकर पंद्रह सौ रुपए प्रति माह दिया जाएगा।

अगहापुर गाँव में जाटव समाज की जनसभा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा ।आज अगहापुर गांव

जाटव समाज में जनसभा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में महेश आर्य राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व एम.एल.सी. जी रहे अध्यक्षता जिलाध्यक्ष महेन्द्र यादव जी ने की। मेहश आर्य जी ने कहा समाजवादी पार्टी में हर समाज का सम्मान है समाजवादी पार्टी सर्व समाज की राजनीति करती है जाटव समाज इस बार तरफा समाजवादी पार्टी को वोट करेगा क्योंकि आने वाली सरकार समाजवादी की सरकार हैं युवाओं को लैपटॉप, महिलाओं को पेंशन, 300 यूनिट बिजली मुफ्त और बेरोजगारों को रोजगार समाजवादी पार्टी की प्राथमिकता होगी। और सभी से सुनील चौधरी के पक्ष में वोट डालने की अपील की। इस मौके पर किरनपाल अवाना, पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश यादव, वरिष्ठ नेता देवेंद्र अवाना, विनय सिंह जिलासचिव, वरिष्ठ नेता कमल जाटव, चौधरी फूल सिंह नम्बरदार जी, पूर्व महानगर अध्यक्ष सूबे यादव जी, उदयवीर सिंह जिला सचिव, देवेंद्र गुज्जर, जिलाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग रणधीर चौधरी, लोकदल महानगर अध्यक्ष, विकाश यादव आदि लोग उपस्थित रहे। साथ ही आर्य जी ने देवराज जाटव, संदीप जाटव, शैलेन्द्र जाटव, अरुण जाटव, मनीष जाटव आदि को फूल-माला पहनाकर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करायी।।

दिल्ली न्यूज : बारापुला का काम जल्द पूरा करने के लिए सीमेंट की जगह लोहे के गार्डर बनाने पर हो रहा विचार

नई दिल्ली। बारापुला फेज-तीन एलिवेटेड कारिडार के बचे हुए काम को जल्द पूरा करने के लिए निर्माण की तकनीक के बदले जाने पर दिल्ली सरकार विचार कर रही है। योजना है बचे हुए भाग के ढांचा के लिए सीमेंट के गार्डर का उपयोग न किया जाए और न ही इन्हें मौके पर बनाया जाए।इनकी जगह फैक्ट्री में लोहे के गार्डर बनवाए जाएं। तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह निर्माण को पूरा करने में काफी समय बचाया जा सकेगा, क्योंकि जमीन मिलने के बाद भी इस परियोजना के बचे हुए काम को पूरा करने में डेढ़ साल से अधिक समय लगने की संभावना है। अगर तकनीक में बदलाव किया जाता है काम पूरा करने में समय कम हो जाएगा। बताया रहा है कि लोक निर्माण विभाग को जल्द ही किसानों की आठ एकड़ जमीन मिलने की संभावना है। हालांकि केसिान जमीन का अधिक मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। इस मामले में लोक निर्माण विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि यह मामला कोर्ट में है। मुआवजे के बारे में कोर्ट तय करेगी, मगर जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई है।जल्द ही जमीन प्राप्त करने के लिए कोशिश की जा रही है। बारापुला के तीसरे फेज में सराय काले खां से मयूर विहार तक एलिवेटेड कारिडोर का निर्माण किया जा रहा है। इसकी लंबाई साढ़े तीन किलोमीटर है। यह कारिडोर आठ लेन का है, जिसकी चौड़ाई 35 मीटर है। इसके तैयार होने पर मयूर विहार से एम्स तक साढ़े नौ किलोमीटर रोड सिगन्ल फ्री हो जाएगा। इस परियोजना के अंतर्गत आ रही जमीन को लेकर विवाद हो चुका है। करीब आठ एकड़ जमीन पर खेती कर रहे किसानों द्वारा दावा कर देने से मयूर विहार की तरफ कुछ भाग में अभी काम रुका हुआ है।कारिडोर का अन्य भागों में काम पूरा हो चुका है, लेकिन, यमुना पार के हिस्से में मयूर विहार साइड दो जगहों पर जमीन की दिक्कतों के चलते उतने भाग में काम पूरा नहीं हो पा रहा है।

विशेष राज्य के मुद्दे पर ND फिर दो-फाड़ः CM नीतीश को दी नसीहत- PM मोदी के पैकेज का करें पूरा इस्तेमाल

पटना। बिहार को विशेष राज्य के दर्जा के मुद्दे पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) दो-फाड़ है। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रदेश अध्यक्ष डा. संजय जायसवाल ने एक बार फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घेरा है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने अपने फेसबुक को दूसरे राज्यों से मिल अधिक मदद मिल रही है। उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण पर काम करने सलाह सरकार को दी है। बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे पर एनडीए में मची खींचतान कम नहीं हो रही। इस मसले पर बीजेपी व जेडीयू (जनता दल यूनाइटेड) में लगातार आरोप-प्रत्यारोप जारी है।

पोस्ट में कहा है कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिए विशेष पैकेज का पूरा उपयोग नहीं कर पा रही है। बिहार सरकार को कामकाज का आइना दिखाते हुए कहा कि कई योजनाएं रुकी हुई हैं। बिहार को अगर आगे बढ़ाना है तो पूरे मंत्रिमंडल का सहयोग आवश्यक है। आंकड़े देते हुए उन्होंने बताया है कि केंद्र सरकार बिहार का ध्यान रखती है। बिहार केंद्रीय बजट के बाद बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने सोमवार को फेसबुक पर एक लंबी पोस्ट लिखी है। इसमें उन्होंने अन्य राज्यों से बिहार की तुलना करते हुए लिखा है कि केंद्र बिहार को दूसरे राज्यों से ज्यादा सहयोग कर रहा है, जो यह बताने के लिए काफी है कि नरेंद्र मोदी की सरकार बिहार का कितना ध्यान रखती है।

महाराष्ट्रः एटीएस के छापे में वसई से 5 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त; दो गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ते द्वारा चलाए गए एक अभियान के तहत रविवार को वसई के पेल्हारे में 5 करोड़ रुपये से अधिक की हेरोइन जब्त की गई है और दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एटीएस की जुहू और ठाणे इकाइयों की संयुक्त टीम ने शनिवार को छापेमारी की, जिसके परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में 5.17 करोड़ रुपये मूल्य की 1,724 ग्राम हेरोइन, 2.6 लाख रुपये नकद, दो मोबाइल फोन और सामग्री जब्त की गई। उन्होंने कहा कि इसे ड्रग्स की तस्करी के लिए इस्तेमाल किया जाता है। उत्तराखंड के हरिद्वार निवासी अलीम अख्तर (46) और छोटा नासिर (40) को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक व्यक्ति, जो जूतों में बनी एक गुप्त स्थान में ड्रग्स की तस्करी करता था उसकी तलाश जारी है। अख्तर और नासिर को 15 फरवरी तक एटीएस की हिरासत में भेज दिया गया है। बीते कुछ दिन पहले महाराष्ट्र में मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला को सायन क्षेत्र से 21 करोड़ मूल्य की 7 किलो हेरोइन के साथ पकड़ा था। इस महिला ड्रग सप्लायर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई थी। इसकी

पहचान मानखुद निवासी अमीना हमजा शेख उर्फ लाली के रूप में हुई थी। मुंबई एएनसी के अधिकारी के मुताबिक, जब्त की गई हेरोइन को मुंबई में सक्रिय अन्य दवा आपूर्तिकर्ताओं औरग्राहकों को वितरित किया जाना था। इस महिला को पहले एएनसी की वर्ली और घाटकोपर टीम ने 2015 और 2018 में प्रतिबंधित दवाओं की आपूर्ति में उनकी कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया था।

ओडिशा में 2000 के नीचे आए दैनिक संक्रमण के मामलेः 1497 लोग संक्रमित, 20 की मौत

भुवनेश्वर। राज्य में दैनिक कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार गिरावट जारी है। प्रदेश में आज 1 हजार 497 लोग संक्रमित मिले हैं। नए संक्रमित मरीजों में 874 स्थानीय लोग हैं जबकि 623 स्थानीय लोग संक्रमित मिले हैं। इसमें शून्य से 18 साल आयु के 283 लोग संक्रमित हुए हैं। यदि स्वस्थ होने वाले मरीजों की बात की जाए तो प्रदेश में आज 3 हजार 624 लोग स्वस्थ हुए हैं ऐसे में सक्रिय मामले भी लगातार घट रहे हैं। वहीं 20 लोगों की मौत कोरोना से होने की जानकारी राज्य स्वास्थ्य विभाग की तरफ से दी गई है।

लता मंगेशकर को याद कर आर्टिस्ट से लेकर आईटीबीपी के जवान तक प्रशंसकों ने अलग अंदाज में दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भारत रतन लता मंगेशकर ने 6 फरवरी को 92 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके निधन से पूरा देश गमगीन है। स्वर कोकिला को श्रद्धांजलि देने के लिए सिनेमा जगत से लेकर राजनीति, उद्योग और खेल जगत के लोग उमड़ पड़े। तो वहीं लता मंगेशकर के प्रशंसक सोशल मीडिया के जरिए उन्हें अपने अंदाज में भावभीनी श्रद्धांजलि दे रहे है। इसी कड़ी में कुछ लोग ने काफी अलग अंदाज में लताजी को श्रद्धांजलि दी है। इंटरनेट पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक कलाकार चॉक के टुकड़े पर लता मंगेशकर की एक छोटी मूर्ति को तराशाते नजर आ रहा है। सचिन सांघे नाम के एक माइक्रो-मूर्तिकला कलाकार ने इस वीडियो को ट्विटर पर पोस्ट किया है। जिसमें वह नक्काशी करने के लिए कुछ नुकीली चीजों का इस्तेमाल कर चाक के छोटे से टुकड़े पर लता मंगेशकर के चेहरे को उकेरता है। सचिन सांघे जिस सफाई और तेजी से यह काम करते हैं वह लोगों को आश्चर्य में डाल देता है। वीडियो को यूजर्स बार-बार देख रहे हैं। वीडियो को अब तक दो लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। ऑनलाइन वायरल हो रहे इस वीडियो में के जवान ने जिस मार्मिक अंदाज में लता

मंगेशकर को श्रद्धांजलि दी है वो भावुक कर देने वाली है। वीडियो में जवान सैनिक सैक्सोफोन के द्वारा 'ऐ मेरे वतन के लोगों' गाना बजाता नजर आ रहा है। देश के सैनिक ने वर्दी पहन जिस अंदाज यह गाना को शेयर किया है। स्वर कोकिला भारत रतन लता मंगेशकर को कांस्टेबल मुजम्मल हक़, आईटीबीपी की भावभीनी श्रद्धांजलि।' वीडियो को अब तक 11 हजार से ज्यादा लोग देख चुके है और 12 सौ से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं।बता दें कि लता मंगेशकर 8 जनवरी से मुंबई अस्पताल में भर्ती थीं। बीते रविवार शाम को शिवाजी पार्क में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

अगले साल इस खास दिन पर रिलीज होगी सलमान खान की फिल्म 'कभी ईद कभी दिवाली', पढ़ें पूरी खबर

नई दिल्ली। बॉलीवुड के सुल्तान सलमान खान अपनी फिल्मों को लेकर खासे चर्चा में रहते हैं। साथ ही फैंस भी उनकी फिल्मों का एलान होने के बाद से मूवी के आने के बेसब्री से इंतजार करते हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि सलमान खान की फिल्म 'कभी ईद कभी दिवाली' की रिलीज डेट का घोषणा हो चुकी है। ये फिल्म आगले साल ईद को मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी इस जानकारी को फिल्म किटिक्स ने तरण आदर्श ने अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर किया है। उन्होंने ट्वीट में लिखा, साजिद नाडियाडवाला और सलमान खान की फिल्म कभी ईद कभी दीवाली साल 2023 में ईद को मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि फिल्म की रिलीज को लेकर अभी फिल्म निर्माताओं ने कोई भी जानकारी शेयर की है। बता दें, पहले इस फिल्म को साल 2021 में ईद के मौके पर रिलीज किया जाना था। लेकिन कोरोना महामारी के चलते फिल्म की शूटिंग को रोक दिया गया था। इस वजह फिल्म को टाल दिया गया था। इस फिल्म में सलमान खान के साथ पूजा हेगडे मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। फिल्म में सलमान और पूजा के अलावा साउथ फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता वेंकटेश में अहम भूमिका में नजर आ सकते है। वहीं, कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई में एक बड़ा सेट बनाया गया है और इस महीने फिल्म के फ्लोर पर आने की उम्मीद है। साजिद

नाडियाडवाला द्वारा प्रोड्यूस इस फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी करेंगे। वहीं, बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो इस साल बैक टू बैक कई फिल्मों में नजर वो जल्द ही टाइगर फ्रैंचाइजी की तीसरी फिल्म टाइगर 3 के अंतिम शेड्यूल की शूटिंग को शुरू कर सकते है। इस फिल्म में वो रॉ एजेंट के किरदार में नजर आ सकते हैं, जबकि कटरीना आईएसआई एजेंट ज़ोया का किरदार निभाती हुई दिखाई देंगी।

सुष्मिता सेन के एक्स बॉयफ्रेंड और टीवी की ये बोल्ड हसीनाएं कंगना रनोट के शो में होगीं

नई दिल्ली। कंगना रनोट जल्द ही अपने नए रियलिटी शो 'लॉक अप' के साथ ओटीटी पर डेब्यू करने वाली है। भारत में पहली बार ऐसा रियलिटी शो आएगा जिसमें 16 कॉन्ट्रोवर्शियल कंटेस्टेंट्स को एक साथ महीनों तक 'लॉक अप' किया जाएगा। इस दौरान उन्हें कोई सुविधा नहीं दी जाएगी। मीडिया के सामने हुए ट्रेलर लॉन्च के दौरान काफी धूम मची, एकता कपूर ने कंटस्टेंट्स के नामों को सीक्रेट रखने की पूरी कोशिश की लेकर पूनम पांडे के तौर पर पहला नाम हमारे सामने आ चुका है। अब बाकि के कंटेस्टेंट्स की डिटेल यहां पढ़ें अब सोशल मीडिया पर कई ऐसी खबरें आ रही है, जिसमें उन सेलेब्रिटीज के बारे में बात की जा रही है, जिन्हें शो के लिए अप्रोच किया गया है। बॉलीवुड हांगामा के रिपोर्ट्स के अनुसार सुष्मिता सेन के एक्स बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल को भी शो के मेकर्स की तरफ से संपर्क किया गया है। इसके अलावा श्वेता तिवारी के भी शो का हिस्सा बनने की जानकारी है। श्वेता इससे पहले बिग बॉस की भी विनर रह चुकीं है। इसके साथ ही पिछले साल 'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आ चुकीं 'झांसी की रानी' फेम अनुष्का सेन को भी शो में 'लॉक अप' करने की खबर आ रही है। ईटाइम्स के रिपोर्ट्स की माने तो कंगना रनोट के शो ऑप अप की पहली कंटेस्टेंट हैं 'पूनम पांडे'। इनका तो बस नाम ही काफी है, ये किसी परिचय की मोहताज नहीं, फिर भी हम आपको

बदा दें कि पूनम का व्यक्तित्व और अनकी बोल्डनेस उन्हें इस शो के लिए परफेक्ट बनाता है। कुछ साल पहले पूनम पांडे ने ऐलान किया था कि अगर भारतीय टीम वर्ल्ड कप जीत जाती है तो वो न्यूड हो जाएंगी। जिसके बाद काफी हंगामा मचा था। ऑल्ट बालाजी और एमएक्स प्लेयर इस शो को अपने-अपने प्लेटफॉर्म पर या पुरस्कार देने और उनमें से कुछ को 'खबरी' की तरह खेलने देने का भी अधिकार होगा। एंडेमोल शाइन इंडिया द्वारा निर्मित, शो का प्रीमियर 27 फरवरी 2022 से ऑल्ट बालाजी और एमएक्स प्लेयर पर होगा।

संजय दत्त ने लॉन्च किया प्रोडक्शन हाउस थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स, कहा- 'पौरूषपूर्ण किरदारों को शुरू करने की कोशिश करूंगा'

नई दिल्ली। बॉलीवुड के मुनन भाई संजय दत्त फिल्मों में अपने एक्शन और जबरदस्त एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। अब फिल्म इंडस्ट्री में अपने वर्चस्व को बरकार रखने के लिए अभिनेता प्रोडक्शन

कंपनी थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स को लॉन्च कर दिया है। वैरायटी डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार संजय दत्त ने कहा, हमारे पास जो कुछ था उसको फिर वापस पाने की कोशिश कर रहे हैं। दक्षिण भारतीय फिल्में अब क्या कर रही हैं। जब हम फिल्म उद्योग में आए, तो मैंने फिल्म में कई वीरपूर्ण भूमिकाओं, सामूहिक प्रेम के किरदारों को निभाते हुए अपने करियर की शुरुआत की थी। अब मैंने उस परंपरा को रुकते हुए देखा है। और मैं इसको फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहा हूं। अभिनेता ने आगे कहा, मुझे लगता है कि बॉलीवुड से ये थोड़ा गायब हो गया है और मैं इस गैप को पूरा करने की कोशिश कर रहा हूं। जो अपने आधिकारों के लिए लड़ सकता है। मुझे लगता है कि गोल्डन युग कभी नहीं खत्म हो सकता। अगर हम हॉलीवुड को देखें तो वो युग आज भी वहां मौजूद है। लेकिन पता नहीं बॉलीवुड को क्या हो गया है, हम इसको वापस पाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने प्रोडक्शन के बारे में बता करते हुए आगे कहा, थ्री डायमेंशन एक स्लेट तैयार कर रहा है, जिसमें हॉरर कॉमेडी फिल्में शामिल है। जिसको सिद्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित किया जाएगा और उनके पास टीवी, म्यूजिक वीडियो का अनुभव है। हम चार नए कलाकारों के साथ अपने फीचर की शुरुआत करेंगे। वहीं, बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो जल्द ही करण मल्होत्रा के निर्देशन मे बनी फिल्म शमशेरा में नजर आने वाले है। इस फिल्म में रणबीर कपूर और वाणी कपूर लीड किरदार निभा रहे हैं। फिल्म शमशेरा की कहानी कहानी 1800 की अंत पर बेस्ड है। इसमें डकैत आदिवासी अपने आधिकारों और आजादी के लिए अंग्रेजों से लड़ते हुए दिखाई देंगे। इस पीरियडिक फिल्म का निर्माण यश राज फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। रणबीर कपूर, संजय दत्त और वाणी कपूर अभिनीत ये फिल्म को 18 मार्च, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा अभिनेता मोस्ट अवेटेड फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 में मुख्य विलेन का किरदार निभाते हुए दिखाई देंगे।

मल्लिका शेरावत ने किया योगा, एक्ट्रेस का फीगर देख फैंस ने दिया ऐसा रिएक्शन

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत एक्टिंग के साथ अपने बोल्ड अंदाज को लेकर भी काफी चर्चा में रहती है। वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहती है। मल्लिका शेरावत अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए अपनी खास तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती है। अब उन्होंने एक बार फिर से अपना बोल्ड अंदाज दिखाया है जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं मल्लिका शेरावत ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह बिकिनी में योगा करती दिखाई दे रही है। अपने इस वीडियो को मल्लिका शेरावत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो में वह प्रिटेंड बिकिनी पहने दिखाई दे रही हैं। वह वीडियो में योगा कर रही है। अपने इस वीडियो को शेयर करते हुए मल्लिका शेरावत खास कैप्शन भी लिखा है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'योग पोजिसन के साथ मंडे ब्लूज को हराएं, आगे झुकना मेरा पसंदीदा पोज है क्योंकि यह सब मानसिक विश्राम, शांति और आनंद को बढ़ावा देते हैं।' सोशल मीडिया पर मल्लिका शेरावत का यह

योग वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। अभिनेत्री के फैंस उनके वीडियो को खूब पसंद कर रहे है। साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने मल्लिका शेरावत के फीगर की जमकर तारीफ की है। बात करें अभिनेत्री के वर्कफ्रंट की तो मल्लिका शेरावत पिछले साल रिलीज हुई वेब सीरीज 'नकाब' में नजर आई थीं। उनकी यह वेब सीरीज एमएक्स प्लेयर पर रिलीज हुई थी। इस बेव सीरीज को लेकर मल्लिका इसलिए भी चर्चा में रहीं क्योंकि इसमें उन्होंने अभिनेत्री ईशा गुप्ता के साथ कुछ इंटिमेट सीन दिए हैं। मल्लिका शेरावत ने इन सीन के बारे में कहा कि उनका मानना है कि एक मेल को-एक्टर्स की तुलना में एक फीमेल के साथ ऐसा करना आसान है। एक इंटरव्यू के दौरान मल्लिका ने अपनी को-एक्ट्रेस के साथ इंटिमेट होने के अपने अनुभव को बारे में खुलासा किया। एक्ट्रेस ने कहा कि अपनी एक फिल्म ख्वाहिश में मेल को-एक्टर के साथ 17 किस किए थे। हालांकि, उन्हें एक फीमेल के साथ यह किस करना आसान लगा है।

अपनी मखमली आवाज से लोगों के दिलों में उतर जाते थे जगजीत सिंह, बेटे की अचानक मौत से टूट गए थे गजल सम्राट

नई दिल्ली। अपनी मखमली आवाज से संगीत प्रेमियों के दिलों को जीने वाले गजल सम्राट जगजीत सिंह का जन्मदिन 8 फरवरी को होता है। जगजीत सिंह ने यूं तो

अपने करियर में कई गजलों को अपनी आवाज से और भी खूबसूरत बना दिया था, लेकिन उन्होंने फिल्मी गानों से भी खूब नाम कमाया था। जगजीत सिंह का जन्म 8 फरवरी 1941 को राजस्थान के श्रीगंगानगर में हुआ था उनका परिवार मूल रूप से पंजाब के रोपड़ जिले से था। जगजीत सिंह की शुरुआती पढ़ाई गंगानगर में हुई और बाद में आगे की पढ़ाई करने के लिए वह जालंधर चले गए। जगजीत सिंह पिता सरदार अमर सिंह धमानी एक सरकारी कर्मचारी थे और संगीत में रूचि रखते थे। जगजीत सिंह को संगीत उनके पिता से ही विरासत में मिला। साल 1965 में वह मुंबई आ गए थे। इसके बाद 1967 में उनकी मुलाकात गजल गायिका चित्रा से हुई। इसके दो साल बाद 1969 में दोनों शादी कर ली। जगजीत सिंह-चित्रा एक साथ कई गजल समारोह में हिस्सा लेते थे और गजलें गाते थे। दोनों संगीत कार्यक्रमों में अपनी जुगलबंदी से समां बांध देते। जगजीत सिंह और चित्रा एक बेटा विवेक था, जिसकी मौत साल 1990 में एक कार हादसे में हो गई थी। उस समय विवेक की उम्र 18 साल की ही थी। इकलौते बेटे की मौत ने चित्रा को पूरी तरह से तोड़ दिया था और उन्होंने इसके बाद गायकी से दूरी बना ली। जगजीत सिंह को करीबियों का मानना था कि उनकी गजलों में महसूस होने वाली तड़प व दुख साफ दिखने लगा था। उनकी पहली एलबम 'द अनफॉरगेटेबल्स' साल 1976 में आई थी जो काफी हिट साबित रही थी। उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने जब फिल्मों के लिए गजल गानी शुरू की तो देखते-देखते वह हर किसी की पहली पसंद बन गए। 'झुकी-झुकी सी नजर बेकरार है कि नहीं', 'तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो', 'तुमको देखा तो ये ख्याल आया', 'प्यार का पहला खत लिखने में वक्त तो लगता है', 'होश वालों को', 'होठों से छू लो तुम', 'ये दौलत भी ले लो', 'चिट्ठी न कोई संदेश' जगजीत सिंह की खास गजलें में से एक है। जगजीत सिंह के नाम 150 से ज्यादा एल्बम को अपनी गजलों को खूबसूरत बनाया था।

'काचा बादाम' का हरियाणवी रीमिक्स वायरल, पहली बार सामने आया ओरिजिनल सिंगर भुवन का रैपर स्टाइल

नई दिल्ली। 'काचा बादाम' का हरियाणवी रीमिक्स वायरल, पहली बार सामने आया ओरिजिनल सिंगर भुवन का रैपर स्टाइल कच्चा बादाम गाना अब आपके लिए अनजान नहीं रहा होगा। अगर आप इंस्टाग्राम

और रील्स देखने का शौक रखते है तो इस ट्रेंडिंग गाने पर आपने अब तक सैकड़ों वीडियोज देख लिए होंगे। अब इस बंगाली भाषा में गाये गाने को पहली बार हरियाणवी तड़के के साथ रीमिक्स किया गया है, जिसका वीडियो इंटरनेट पर खूब देखा जा रहा है। खास बात यह है कि गाने में इसके असली गायक भुवन बदयाकर भी फीचर हुए हैं। हरियाणवी रीमिक्स को अमित ढल ने तैयार किया है, जबकि सोशल मीडिया इंफलएंसर निशा भट्ट भी इस गाने का हिस्सा हैं। पश्चिम बंगाल के भुवन बादयाकर मूंगफली बेचने का काम करते है और साइकिल पर घूमते हुए काचा बादाम (कच्चा बादाम) गाते हुए मूंगफली बेचते हैं। दरअसल, मूंगफली को वहां बादाम कहा जाता है। बदयाकर को मूंगफली बेचते हुए गाने को किसी ने सोशल मीडिया में पोस्ट कर दिया, जिसे किसी ने म्यूजिक में पिरो दिया और कुछ खास स्टेप्स भी कोरियोग्राफ कर दिये, जिसके बाद यह वर्जन रील्स में वायरल हो गया। ना सिर्फ सोशल मीडिया यूजर्स बल्कि टीवी सेलेब्रिटीज भी काचा बादाम की धुनों पर रील बना रहे है। हरियाणवी वर्जन को निशा भट्ट ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस गाने में भुवन बदयाकर के साथ अमित ढल ने हरियाणवी वर्जन गाया है। निशा भट्ट गाने के चर्चित स्टेप्स कर रही है। इंस्टाग्राम पर इस पोस्ट को 10 लाख से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं। भुवन बदयाकर का केस बिल्कुल रानू मंडल जैसा है। रानू का एक प्यार का नगमा गाते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में पोस्ट कर दिया गया था, जो काफी वायरल हुआ था। बाद में रानू की शोहरत इतनी बढ़ी कि हिमेश रेशमिया ने भी उन्हें मौका दिया। छत्तीसगढ़ के सहदेव दिर्दे का गाना बसपन का प्यार भी खूब वायरल हुआ था और बाद में बादशाह ने बच्चे के साथ इस गाने का रीमिक्स वर्जन पेश किया था। पिछले साल श्रीलंकाई गाना मामिके मागे हिते भी सोशल मीडिया और रील्स में वायरल हुआ था। इस पर कई डांस वीडियो सामने आये। सिंहली में गाये इस गाने को योहानी ने आवाज दी। अब यह गाना अजय देवगन की फिल्म थैंक गॉड में भी सुनायी देगा।

'रामायण' की 'सीता माता' ने जींस और टीशर्ट में दिए पोज, मॉडर्न लुक देख दंग रह गए फैंस

नई दिल्ली। रामानंद सागर का सबसे पॉपुलर धार्मिक टीवी शो 'रामायण' आज भी दर्शकों के दिलों में बसता है। इस शो में काम करने वाले हर कलाकार को आज भी लोग सिर आंखों पर बिठाते हैं। शो में माता सीता का किरदार निभाने वाली दीपिका चिखलिया ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। दीपिका अपने फैंस के जेहन में आज भी खास जगह रखतीं हैं। एक्टिंग के साथ दीपिका सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस अक्सर ही फैंस के लिए अपनी लेटेस्ट तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहतीं हैं। इसी बीच दीपिका ने अपनी फैमिली के साथ एक लेट्सेट तस्वीर शेयर की है, जो काफी वायरल हो रहा है। दीपिका चिखलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। एक तस्वीर में वो काफी मॉडर्न लुक में नजर आ रहीं हैं। उन्होंने ब्लैक कलर की टी-शर्ट पहनी हुई हैं और साथ में ग्रे कलर का ट्रैक पैंट पहना हुआ। तस्वीर देखकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि दीपिका घूमने निकलीं थीं, जहां रास्ते में रुक कर उन्होंने दोस्तों संग फोटो क्लिक करवा ली। सफर के लिए दीपिका जी ने अपने लुक को काफी कम्फर्टेबल रखा है। पर्दे पर जिन्हें सीता माता के रूप में देखा हो उनका मॉर्डन लुक देख फैंस हैरान हो रहे हैं। ये पहली बार नहीं है, दीपिका हमेशा ही अपने अंदाज से फैंस को चौंका देती है। कुछ दिनों पहले ही दीपिका, हुडी टीशर्ट के साथ ब्लैक कलर की जेगिंग्स पहने बालकनी में बैठी नजर आईं थीं। वहीं दीपिका के खुले हुए बाल उनपर काफी सूट कर रहे थे। इस दौरान वह पूरी तरह से इस पल को एंजाय करती नजर आईं। दीपिका के इस वीडियो के बैकग्राउंड में बॉलीवुड का फेमस सॉन्ग 'आज मौसम बड़ा बेइमान है' बज रहा था। इस दौरान दीपिका इस गाने की हर बीट पर अपने पैरों को हिलाती दिखीं। एक्ट्रेस के इस वीडियो को फैंस ने हमेशा की तरह ही काफी पसंद किया।

बबीता जी फिर टप्पू संग आईं नजर,जमकर वायरल हो रही है ये तस्वीर

नई दिल्ली। तारक मेहता का उल्टा चश्मा पिछले 13 सालों से लोगों का फेवरेट बना हुआ है। शो के किरदार भी घर-घर में अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहे हैं। बता चाहे जेठालाल की हो या उनकी दिलों के धड़कन बबीता जी की, सोशल मीडिया पर इनके चाहते वाले इनकी हर अपडेट का पलकें बिछाए इंतजार करते रहते हैं। ऐसे में बबीता जी की एक तस्वीर वायर हो रही है जिसमें उनके साथ टप्पू भी नजर आ रहे हैं। तारक मेहता के लिए लोगों की दीवानगी इतनी है कि सोशल मीडिया पर इस शो के नाम से जाने कितने ही पेज चलते है। एक ऐसे ही फैन पेज से शेयर एक तस्वीर इनदिनों जबरदस्त तरीके से वायरल हो रही है। तस्वीर

में बबीता जी अपने चहेते टप्पू के साथ नजर आ रहीं हैं। एक ट्रॉली में बबीता जी बैठी हुई हैं, जिसे सेंटर से टप्पू ने पकड़ा हुआ है। हालांकि इनके साथ तस्वीर में डॉक्टर हाथी का बेटा गोली भी नजर आ रहा है। पर लोगों का ध्यान तो सिर्फ टप्पू और बबीता जी पर टिका हुआ है। फैंस इस तस्वीर को देखकर खुशी से झूम उठे,कोई इसपर हार्ट इमोजी पोस्ट कर रहा तो कोई फायर। और हो भी क्यों न, बबीता जी कि फैन फॉलोइंग है भी इतनी जबरदस्त।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।